गैरसैंण, सोमवार
17 मार्च 2025
वर्षः 16
अंकः 290 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00

# जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

## एक नजर

### पुल से व्यक्ति ने लगाई नदी में छलांग, एसडीआरएफ ने बचाया

रुद्रप्रयाग। मुख्यालय स्थित अलकनंदा नदी पर बेलनी पुल से बीती मध्य रात्रि एक व्यक्ति ने नदी में छलांग लगा दी। इसी बीच पुल पर चल रहे लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। इसी बीच एसडीआरएफ की टीम कुछ ही समय में मौके पर पहुंची जिसके बाद त्वरित रेस्क्यू कर व्यक्ति को घायल अवस्था में निकाल दिया गया है जिसका उपचार चल रहा है। फिलहाल वह स्वस्थ है। घटना की सूचना मिलते ही एसडीआरएफ टीम उप निरीक्षक आशीष डिमरी के नेतृत्व में टीम मय जरूरी रेस्क्यू उपकरणों के तत्काल घटनास्थल पर पहुंची। उप निरीक्षक आशीष डिमरी ने बताया कि उक्त व्यक्ति पुल पर चढ़ा हुआ था। देखते ही उसने अचानक अलकनंदा नदी में छलांग लगा दी। एसडीआरएफ टीम द्वारा बिना समय गंवाए त्वरित कार्यवाही करते हुए डूब रहे व्यक्ति तक पहुंच बनाई जबकि अलकनंदा नदी से घायल अवस्था में रेस्क्यू कर उचित उपचार के लिए एम्बुलेंस के माध्यम से अस्पताल भिजवाया गया। जहां उसका उपचार चल रहा है। पुलिस उक्त व्यक्ति के होश में आने का इंतजार कर रही है ताकि उससे पूछताछ की जा सके।

### नरेंद्रनगर में कार दुर्घटना में दो घायल

नई टिहरी। बीती देर शाम को सुरकंडा मंदिर से ऋषिकेश की ओर लौट रही एक कार कुम्हारखेड़ा तिराहे से चार किमी आगे गुजराड़ा सड़क मार्ग पर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस दुर्घटना में दो लोग घायल हुए। जिन्हें इलाज के लिए श्रीदेव सुमन उप जिला चिकित्सालय नरेंद्रनगर में भर्ती करवाया गया। घायलों के परिजनों को पुलिस ने तत्काल सूचना दी है। पुलिस की मीडिया सेल से प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस को बीते देर शाम जैसे ही कार दुर्घटना की सूचना मिली नरेंद्रनगर पुलिस तत्काल टीम व एम्बुलेंस के साथ मौके पर पहुंची। कार सड़क से लगभग 50 मीटर नीचे खाई में गिरी मिली। जिसमें राजीव कंडवाल (48) पुत्र अमरदीप कंडवाल और देवेंद्र नेगी (35) पुत्र स्वरूप सिंह दोनों ही निवासी 20 बीघा बापू ग्राम ऋषिकेश घायल मिले। जिन्हें पुलिस ने एम्बुलेंस की मदद से जिला उप चिकित्सालय नरेंद्रनगर पहुंचाया गया। जहां पर उनका उपचार किया गया। जिसके बाद पुलिस ने इसकी सूचना घायलों के परिजनों को दी। वाहने को देवेंद्र सिंह चला रहा था।

### 48 घंटे बाद बोर नदी से पुष्पेंद्र का शव बरामद

काशीपुर। गूलरभोज की बौर नदी में नहाने के दौरान डूबे 13 वर्षीय छात्र का शव रविवार को दोपहर तीन बजे मिला। जल पुलिस और एनडीआरएफ ने शव को नदी से बाहर निकाला। परिजन पुलिस को बिना बताए शव घर ले गए।

पता चलने पर पुलिस पहुंची तो पोस्टमार्टम से इनकार कर दिया, लेकिन पुलिस के समझाने पर वह पोस्टमार्टम के लिए माने। होली के दिन बेरिया दौलत चौकी क्षेत्र के गांव बांसखेड़ा निवासी कक्षा आठ में पढ़ने पर पुष्पेंद्र पुत्र राजू अपने दोस्तों के साथ गूलरभोज की बौर नदी में नहाने गया था। वह नदी में डूब गया था। सूचना के बाद गूलरभोज पुलिस, जल पुलिस और एनडीआरएफ की टीमों ने सर्च अभियान शुरू किया था। रविवार को दोपहर 3 बजे नदी में पुष्पेंद्र का शव मिल गया। वहीं पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस दौरान बेरिया दौलत चौकी इंचार्ज नरेश मेहरा ने बताया कि पुष्पेंद्र के नदी में डूबने की सूचना के बाद टीम द्वारा लगातार सर्च अभियान चलाया जा रहा था। रविवार को शव को नदी से बरामद कर लिया है।

### वीकेंड पर पर्यटकों से गुलजार रहा चकराता

विकासनगर। होली की छुट्टी के साथ पड़े लांग वीकेंड पर पर्यटकों ने चकराता का रुख किया। चकराता की ठंडी वादियों में पहुंच पर्यटकों ने यहां के मौसम का आनंद लिया। होली के साथ पड़ी छुट्टियों के लिए चकराता के होटलों में एडवांस बुकिंग हो गई थी। जिसके बाद शुक्रवार सुबह से ही पर्यटकों का चकराता पहुंचना शुरू हो गया था। शनिवार को क्षेत्र के काफी होटल, रिजॉर्ट व होमस्टे के कमरे बुक रहे, जिससे होटल व्यावसायियों के चेहरे खिले हुए दिखे। चकराता पहुंचे पर्यटकों को शनिवार दिनभर बारिश ने परेशान किए रखा, लेकिन शनिवार की शाम खुले मौसम के बाद पर्यटकों ने सनसेट प्वाइंट पर डूबते सूरज का दीदार किया।

# मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने अपने पद से इस्तीफा दिया , हुए भावुक

देहरादून। उत्तराखंड के कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। इससे सूबे में सियासी माहौल गरमा गया है। प्रेमचंद अग्रवाल ने आनन–फानन में प्रेस कान्फ्रेंस बुलाई और अपने इस्तीफे का ऐलान कर दिया। इस दौरान वह भावुक नजर आए। उन्होंने कहा कि आज उस शख्स को टारगेट किया जा रहा है जिसने उत्तराखंड के लिए योगदान दिया। राज्य के लिए हुए आंदोलन में लाठियां खाईं।

उत्तराखंड के संसदीय कार्य और वित्त मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल अपने पद से इस्तीफा देते हुए भावुक हो गए। उन्होंने कहा– मेरे जैसे एक आंदोलनकारी की बात को जिस प्रकार से तोड़ मरोड़कर पेश किया गया। इसको लेकर पूरे प्रदेश में जिस प्रकार माहौल बनाया गया। इसको लेकर मुझे बड़ा दुख है। मैं बेहद आहत हूं। इसके साथ ही प्रेमचंद अग्रवाल रो पड़े। उन्होंने आगे कहा कि प्रदेश को आगे बढ़ाने में मुझसे जो योगदान बन पड़ेगा देने को तैयार हूं।

हाल में विधानसभा में बजट सत्र के

दौरान कांग्रेस विधायक मदन बिष्ट की उन्हें लेकर की गई टिप्पणी पर संसदीय कार्य मंत्री प्रेम चंद अग्रवाल आक्रोशित हो गए थे। उन्होंने कहा था कि क्या हमने इसी दिन के लिए आंदोलन कर उत्तराखंड मांगा था कि पहाड़ी और देसी को लेकर टिप्पणियां की जाएं। क्या उत्तराखंड केवल पहाड़ के लोगों के लिए ही बना है क्या? इस दौरान उनके मुंह से एक अपशब्द भी निकल गया था। मंत्री के इसी बयान को लेकर सूबे का सियासी तापमान बढ़ गया था। कांग्रेस और कुछ अन्य संगठनों ने उनको कैबिनेट से बाहर निकाले जाने की मांग करते हुए पूरे प्रदेश में जगह जगह प्रदर्शन किए थे। हालांकि बाद में मंत्री ने अपने बयान के लिए खेद भी जताया था। बात यहां तक बढ़ गई थी कि सीएम पुष्कर सिंह धामी ने चेतावनी भरे लहजे में कहा था कि उत्तराखंड की एकता को भंग करने के प्रयास करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। चाहे ऐसे लोग मंत्री, विधायक या सांसद क्यों ना हों।

कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल के बयान को लेकर लगातार हो रहे हंगामे के कारण सरकार भी बैकफुट पर नजर आ रही थी। कांग्रेस सोशल मीडिया पर लगातार इस मुद्दे को उठाते हुए हंगामा कर रही थी।

वहीं प्रदेश भाजपा अध्यक्ष महेंद्र भट्ट और प्रदेश महामंत्री (संगठन) अजेय कुमार ने भी प्रेमचंद अग्रवाल को तलब किया था। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल को संयम बरतने और उचित शब्दावली प्रयोग करने की कड़ी हिदायत दी थी।

### लश्कर को सबसे बड़ा झटका : मुंबई हमले का मास्टरमाइंड हाफिज सईद गोलीबारी में घायल

इस्लामाबाद , मुंबई में हुए २००८ के भीषण आतंकी हमले का सरगना हाफिज सईद पाकिस्तान के झेलम में हुई एक गोलीबारी की घटना में घायल हो गया। उसे इलाज के लिए रावलपिंडी के एक सैन्य अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस घटना में सईद का भतीजा अबु कताल मारा गया है। प्रारंभिक मीडिया रिपोर्ट्स में हाफिज सईद के भी मारे जाने की खबरें आई थी, लेकिन बाद में पुष्टि हुई कि वह जीवित है और गोली लगने से घायल है। बताया जा रहा है कि सईद पाकिस्तानी सेना के कोर कमांडर मंगला से मुलाकात के बाद लौट रहा था, तभी यह हमला हुआ। हाफिज सईद भारत का मोस्ट वांटेड आतंकवादी है और उसे २६ नवंबर २००८ को मुंबई में हुए आतंकी हमले का मुख्य साजिशकर्ता माना जाता है। इस हमले में १६० से अधिक लोगों की जान गई थी। इसके अलावा, २००६ के मुंबई ट्रेन धमाकों और २००७ में भारतीय संसद पर हुए हमले में भी उसकी संलिप्तता बताई जाती है। भारत ने कई बार पाकिस्तान से उसे सौंपने की मांग की है, लेकिन पाकिस्तान लगातार उसे आतंकवादी मानने से इनकार करता रहा है। उधर, एक अन्य घटना में झेलम में ही शनिवार रात अज्ञात हमलावरों ने हाफिज सईद के भतीजे नदीम उर्फ अबू कताल को गोली मारकर हत्या कर दी। अबू कताल जम्मू–कश्मीर के रियासी में हुए हालिया आतंकी हमले का कथित मास्टरमाइंड था, जिसमें ९ लोगों की मौत हो गई थी और ४९ घायल हुए थे। वह राजौरी में हुए हमले में भी शामिल था, जो १ जनवरी २०२३ को हुआ था। अबू कताल आतंकी संगठन जमात उद–दावा का एक शीर्ष कमांडर था और जम्मू–कश्मीर में कई आतंकी हमलों की योजना बनाने में उसकी अहम भूमिका रही थी। हमले में अबू कताल का एक साथी भी मारा गया है।

# आजमगढ़ में अस्तित्वहीन मदरसों पर बड़ी कार्रवाई

## संचालकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

आजमगढ़ ,उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले में अस्तित्वहीन और मानक के अनुरूप नहीं पाए गए मदरसों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई शुरू हो गई है। ईओडब्ल्यू (आर्थिक अपराध शाखा) की तहरीर पर जिले के २२ थाना क्षेत्रों में २१९ मदरसा संचालकों पर मुकदमे दर्ज किए गए हैं।दरअसल, जिले में मदरसा पोर्टल पर ऑनलाइन फीडिंग के दौरान ३१३ मदरसे मानक के अनुसार नहीं पाए गए थे। जब एसआईटी (स्पेशल इंवेस्टिगेशन टीम) ने इस मामले की जांच की, तो पाया गया कि २१९ मदरसे ऐसे हैं, जो अस्तित्व में ही नहीं हैं। यह मामला पिछले कई सालों से चल रहा था, जब २००९–१० में बिना भौतिक सत्यापन के कई मदरसों को मान्यता और सरकारी अनुदान दे दिया गया था। इस पर २०१७ में सरकार से शिकायत की गई थी। जांच में ३८७ मदरसे वैध पाए गए, जबकि ३१३ मदरसों में गड़बड़ियां सामने आईं। इसके बाद इस पूरे मामले की जांच शासन ने एसआईटी को सौंप दी थी। २०२२ में हुई जांच में यह पाया गया कि २१९ मदरसे अस्तित्वहीन हैं और इन मदरसों के संचालकों ने सरकारी धन के गमन के लिए कूटरचित दस्तावेजों का इस्तेमाल किया।

ईओडब्ल्यू के निरीक्षक कुंवर ब्रम्ह प्रकाश सिंह की तहरीर पर जिले के कंधरापुर थाने में पहला मुकदमा दर्ज किया गया था। उसके बाद जिले के सभी २२ थाना क्षेत्रों में मुकदमे दर्ज किए गए। इनमें से कुछ प्रमुख थाना क्षेत्रों में दर्ज मुकदमों की संख्या इस प्रकार हैः कोतवाली में २, सिधारी में ५, रानी की सराय में ३, कंधरापुर में १, मुबारकपुर में १५, निजामाबाद में ५, गंभीरपुर में २, देवगांव में ७, बरदह में ७, मेंहनगर में ५, तरवां में ३, जीयनपुर में १०, महराजगंज में २, बिलरियागंज में १, रैनापार में ३, अतरौलिया में १३, अहरौला में २५, कप्तानगंज में २, फूलपुर में ४१, पवई में ३४, सरायमीर में ८, और दीदारगंज में २४ मुकदमे दर्ज किए गए हैं।

# कैचीधाम में उमड़ी भक्तों की भारी भीड़, हाईवे जाम

भवाली। नगर में दो दिनों से भीषण जाम की समस्या बनी हुई है। मुख्य बाजार से लेकर भीमताल रोड, नैनीताल रोड, रानीखेत रोड, रामगढ़ रोड पर कई किमी तक वाहनों का लंबा जाम लगा हुआ। जाम के कारण स्थानीय लोगों को काफी समस्या का सामना करना पड़ा। जाम से परेशान लोग शोशल मीडिया में जाम की फोटो डाल प्रशासन व लोनिवि की लापरवाही पर रोष व्यक्त कर रहे हैं।

**जाम की समस्या अब आम**

वीकेंड पर भवाली में अब जाम की समस्या आम हो गई है। क्योंकि कैंची धाम में आने वाले भक्त निरंतर बढ़ रहे हैं। जिससे भवाली बाजार की संकरी सड़कें व कम चौड़े चौराहे वाहनों की आवाजाही का दबाव सहन नहीं कर पा रहे है। जिस कारण भवाली बाजार समेत नगर की सभी सड़कों पर भीषण जाम की स्थिति उतपन्न हो रही है। जिस कारण अब आम आदमी व व्यापारी त्रस्त हो चुका है। शनिवार को होली के कारण बाजार बंद होने के चलते लोग रविवार को खरीददारी के लिए

बाजार को निकले। लेकिन लोगों को 10 मिनट के सफर में 1 से 2 घंटे तक लग गए। क्योंकि सुबह 8 बजे से ही खुटानी से भवाली–कैंची तक वाहनों की लंबी कतारें लग गईं।

**20 किमी की दूरी तय करने में लगे छह घंटे**

गरमपानी : अल्मोड़ा हल्द्वानी हाईवे पर कैंची क्षेत्र में रविवार को जाम ने विकट स्थिति उत्पन्न कर दी। लोगों को भवाली से खैरना तक बीस किलोमीटर की दूरी तय करने में छह घंटे का समय लग गया।

**पर्यटक टैक्सी वाहन के लिए भटकते दिखे**

वहीं जाम के कारण कई पर्यटक हल्द्वानी जाने के लिए टैक्सी वाहन के लिए भटकते दिखे। जाम से परेशान लोगो ने शोशल मीडिया पर फोटो अपलोड कर प्रशासन व लोनिवि की लापरवाही पर आक्रोश व्यक्त किया। क्योंकि न तो अबतक बाईपास का कार्य पूरा हो पाया है और न ही सेनिटोरियम से अल्मोड़ा रोड को जोड़ने वाले पुल का। कार्यों की धीमी गति से लोगो मे खासा आक्रोश है। लोनिवि के जेई कमल पाठक ने बताया कि नैनीनीबैंड से सेनिटोरियम बाईपास पर सोइलिंग व दीवारों का कार्य चल रहा है। विभाग जल्द से जल्द उसे तैयार करने के प्रयास कर रहा है। वही पुल की धीमी गति पर उन्होंने एक्शन दीपक कुमार से जानकारी लेने को कहा। लेकिन कई बार फोन करने के बावजूद भी एक्शन द्वारा फोन नहीं उठाया गया।

### राष्ट्रपति–पीएम मोदी ने प्रख्यात ओड़िया कवि रमाकांत रथ के निधन पर जताया दुख

नई दिल्ली , राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रख्यात ओड़िया कवि पद्म भूषण रमाकांत रथ के निधन पर दुख जताया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि रमाकांत रथ भारतीय साहित्य जगत की एक प्रमुख विभूति थे। उन्हें पद्म भूषण सहित अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के कार्यालय ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, प्रख्यात कवि रमाकांत रथ जी के निधन के बारे में जानकर मुझे बहुत दुख हुआ है। रमाकांत रथ भारतीय साहित्य जगत की एक प्रमुख विभूति थे। उन्हें पद्म भूषण सहित अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।

ओड़िया साहित्य में अपने चिरस्मरणीय योगदान द्वारा उन्होंने अखिल भारतीय साहित्य को समृद्ध किया है। मैं उनके शोक संतप्त परिवारजनों और प्रशंसकों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा, रमाकांत रथ जी ने एक प्रभावी प्रशासक और विद्वान के रूप में अपनी पहचान बनाई है। उनकी रचनाएं, विशेषकर कविताएं, समाज के सभी वर्गों में व्यापक रूप से लोकप्रिय हैं। उनके निधन से बहुत दुःख हुआ है। दुख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और प्रशंसकों के साथ हैं। इससे पहले ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने रमाकांत रथ के निधन पर शोक जताया।

## पाकिस्तान में पुलवामा जैसा हमला

# बलूच आतंकियों ने सेना के काफिले को बनाया निशाना, 90 जवानों की मौत

बलूचिस्तान ,पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में रविवार को एक बार फिर बड़ा आतंकी हमला हुआ है। बलूच आतंकवादियों ने नोश्की इलाके में सुरक्षाबलों के एक काफिले को निशाना बनाया, जिसमें सात बसों और दो कारों को शामिल बताया जा रहा है। इस हमले में वाहन जनित इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस का इस्तेमाल किया गया है, जिससे भारत में हुए पुलवामा हमले की यादें ताजा हो गई हैं।पाकिस्तानी अधिकारियों के अनुसार, इस हमले में कम से कम पांच सुरक्षाकर्मी मारे गए हैं और १३ अन्य घायल हुए हैं। वहीं, प्रतिबंधित बलूच लिबरेशन आर्मी ने इस हमले की जिम्मेदारी लेते हुए दावा किया है कि उनके हमले में करीब ९० पाकिस्तानी सैनिक मारे गए हैं। एक पाकिस्तानी अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि एक बस को व्हीकल बॉर्न निशाना बनाया गया, जो संभवतः एक

आत्मघाती हमला था। दूसरी बस, जो क्वेटा से ताफ्तान की ओर जा रही थी, उस पर रॉकेट से संचालित ग्रेनेड से हमला किया गया। हमले में घायल जवानों को तत्काल उपचार के लिए नोश्की और एफसी कैंप ले जाया गया है। नोश्की के स्टेशन हाउस ऑफिसर सुमालानी ने आशंका जताई है कि मृतकों और घायलों की संख्या में वृद्धि हो सकती है, क्योंकि कई घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है। हमले के तुरंत बाद, बलूच लिबरेशन आर्मी ने एक बयान जारी कर इस हमले की पुष्टि की। उनके फिदायीन दस्ते च्मजीद ब्रिगेडज् ने नोश्की में आरसीडी हाईवे पर रखशान मिल के पास पाकिस्तानी सेना के एक काफिले को निशाना बनाया। काफिले में आठ बसें थीं, जिनमें से एक विस्फोट में पूरी तरह से नष्ट हो गई। आगे दावा किया कि उनके च्फतेह दस्तेज् ने तुरंत कार्रवाई करते हुए एक और बस को घेर लिया और उसमें सवार सभी सैन्य कर्मियों को मार गिराया, जिससे दुश्मन के हताहतों की कुल संख्या लगभग ९० तक पहुंच गई। इस हमले ने क्षेत्र में पहले से ही तनावपूर्ण स्थिति को और बढ़ा दिया है।

# मीडिया की भूमिका और प्रासंगिकता को परिवर्तनशील माहौल में भी नहीं किया जा सकता कम : सीएम योगी

गोरखपुर ,लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में मीडिया को मान्यता दी गई है। मीडिया ही लोकतंत्र के प्रति सजग प्रहरी के रूप में सबसे महत्वपूर्ण मुद्दों की ओर ध्यान आकर्षित कर अन्य तीन स्तंभों को किसी न किसी रूप में झकझोरती है। किन्हीं कारणों से छूटे हुए मुद्दों को सही तथ्यों के साथ प्रस्तुत कर जन सरोकार से जोड़ती है। मीडिया की भूमिका पूरी दुनिया में समय–समय पर अलग–अलग रूप में देखने को मिली है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को गोरखपुर में आयोजित एक प्रेस क्लब की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह में कही। कार्यक्रम के दौरान सीएम योगी ने कहा कि देश में कई ऐसे स्वतंत्रता संग्राम सेनानी रहे हैं, जिन्होंने अपने करियर को मीडिया के जरिए आगे बढ़ाने का काम किया था। देश

के स्वाधीनता आंदोलन में उन्होंने पत्रकारिता के रूप में अपनी अहम भूमिका निभाई थी। इसमें सबसे पहला नाम राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का आता है, जिन्होंने अपनी लेखनी से समाचार पत्रों को प्रोत्साहित किया था। लोकमान्य तिलक ने जन चेतना को जागरूक करने के लिए गणपति महोत्सव का आयोजन किया। इसके अलावा लाल लाजपत राय, गणेश शंकर विद्यार्थी आदि ने अपनी लेखनी की धार से समाज को नई दिशा दी। जिस समय देश के लोकतंत्र का गला घोंटा जा रहा था, तब समाचार समूहों ने अपनी लेखनी के माध्यम से लोकतंत्र को बचाने के लिए पूरी ताकत लगा दी थी। मीडिया की भूमिका और प्रासंगिकता को परिवर्तनशील माहौल में भी कभी कम नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि आज टेक्नोलॉजी से पूरी दुनिया में तेजी से बदलाव हो रहा है। ऐसे में मीडिया जगत में भी तेजी के साथ बदलाव हो रहा है ताकि समाज तक टेक्नोलॉजी से जुड़कर सही तथ्यों को उन तक पहुंचाया जा सके। आज युवा पीढ़ी सबसे ज्यादा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग कर रही है क्योंकि उसके पास समय कम है। ऐसे में मीडिया संस्थानों की जिम्मेदारी और अधिक बढ़ गई है कि उन तक सकारात्मक चीजें पहुंचाई जाएं क्योंकि कुछ लोग सोशल मीडिया प्लेटफार्म का दुरुपयोग कर नकारात्मकता फैलाने का काम कर रहे हैं।

### शराब के नशे में धुत व्यक्ति ने पत्नी की हत्या की

रुड़की। बुग्गवाला थाना क्षेत्र के गांव बंदरजूड़ में शराब के नशे में धुत युवक ने पीट पीटकर अपनी पत्नी की हत्या कर दी। आरोप है कि नशे में धुत युवक ने जब पत्नी से बाइक की चाबी मांगी तो पत्नी ने पति की हालात देखते हुए चाबी देने से इंकार कर दिया। गुस्से में आकर युवक ने पत्नी की हत्या कर दी। यह घटना शनिवार देर शाम की है। थानाध्यक्ष बुग्गावाला भगवान सिंह महर को मृतक के परिजनों ने बताया कि इरशाद पुत्र सफाकत निवासी ग्राम बंदरजूड़ शराब के नशे में शनिवार देर शाम अपने घर पहुंचा। बाहर जाने के लिए पत्नी से बाइक की चाबी मांगने लगा। इरशाद को नशे की स्थिति में देखकर पत्नी इसराना ने चाबी देने से इन्कार कर दिया। इस बात से नाराज इरशाद ने अपनी पत्नी इसराना की बेरहमी से पिटाई शुरु कर दी। पास के लोगों ने जब इसराना को छुड़ाने का प्रयास किया तो इरशाद ने उसका बाल पड़कर सर को फर्श में पटक दे मारा।

# उपनल कर्मियों और अतिथि शिक्षकों को नियमित करे सरकारः रावत

देहरादून। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने एक बार फिर उपनल कर्मियों का मुद्दा उठाया है। उन्होंने कहा कि सरकार को बड़ा दिल दिखाते हुए सुप्रीम कोर्ट की ओर से सुझाए गए फार्मूले के अनुसार उपनल कर्मियों और अतिथि शिक्षकों को नियमित करना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने खेल और युवा कल्याण विभाग के एकीकरण के राज्य सरकार के प्रस्ताव का विरोध किया है। मीडिया को जारी बयान में पूर्व सीएम रावत ने कहा कि भाजपा सरकार खेल और युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल विभाग के एकीकरण में अपनी शक्ति और सामर्थ्य लगाने की बेफिजूल कोशिश कर रही है। इसके बजाय राज्य सरकार को चाहिए कि वह अपनी क्षमता का उपयोग करते हुए उपनल कर्मियों और अतिथि शिक्षकों की सेवाओं के नियमितीकरण की दिशा में काम करे।

उन्होंने कहा कि अब तो सुप्रीम कोर्ट ने भी अपने एक फैसले में सरकार को इसका रास्ता दिखा दिया है।उन्होंने कहा कि सरकार को खेल और युवा कल्याण विभाग एवं प्रांतीय रक्षक दल विभाग को पूर्व की भांति अलग–अलग ही रहने देना चाहिए। क्योंकि सभी के कार्य अलग–अलग हैं और रूपरेखा भी अलग–अलग है।

# उस्मानिया यूनिवर्सिटी में धरना–प्रदर्शन बैन

हैदराबाद। उस्मानिया विश्वविद्यालय ने अपने विभागों, कॉलेजों और प्रशासनिक भवनों के परिसर में धरना, आंदोलन और नारे लगाने पर प्रतिबंध लगा दिए हैं। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी इस फैसले को अलोकतांत्रिक करार दिया है, वहीं भारत राष्ट्र समिति के कार्यकारी अध्यक्ष केटी. रामा राव ने विरोध प्रदर्शन पर प्रतिबंध लगाने के निर्णय को "लोकतंत्र पर सीधा हमला" बताया।

हाल ही में छात्रों और छात्र समूहों द्वारा प्रशासनिक कार्य में बाधा डालने वाले प्रदर्शनों की घटनाएं सामने आने के बाद विश्वविद्यालय ने विरोध प्रदर्शन पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है। 13 मार्च को जारी सर्कुलर में विश्वविद्यालय ने कहा कि इन घटनाओं ने विश्वविद्यालय के सुचारू कामकाज पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

**केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने प्रतिबंध को लेकर क्या कहा?**

किशन रेड्डी ने कहा, तेलंगाना राज्य की स्थापना में उस्मानिया विश्वविद्यालय में हुए आंदोलन और बलिदान की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उसी उस्मानिया विश्वविद्यालय में रेवंत रेड्डी सरकार ने अब धरना, नारेबाजी, आंदोलन और विरोध प्रदर्शन पर रोक लगाने वाला सर्कुलर जारी किया है। यह अलोकतांत्रिक निर्णय है। वहीं एएनआई के अनुसार भाजपा के नेता रामचंदर राव ने कहा कि राज्य सरकार ने तेलंगाना में "अघोषित आपातकाल" लागू कर रखा है।

### कुत्ते को बचाने के चक्कर में खाई में गिरी एंबुलेंस

रुड़की। कुत्ते को बचाने के चक्कर में एक एंबुलेंस अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। दुर्घटना के समय एंबुलेंस में कोई मरीज नहीं था। लेकिन एम्बुलेंस सवार चालक व उसके दो अन्य साथी घायल हो गए। जिन्हें 108 सेवा के माध्यम से अस्पताल में भर्ती कराया गया। रविवार सुबह करीब पांच बजे एक एंबुलेंस हरिद्वार से वापस चंडीगढ़ लौट रही थी। जैसे ही एम्बुलेंस इमली खेड़ा रोड पर नीलकंठ ढाबे के पास पहुंची तो अचानक सामने से एक कुत्ता आ गया। कुत्ते को बचाने के चक्कर में चालक ने एंबुलेंस से नियंत्रण खो दिया। जिसके बाद एंबुलेंस खाई में जा गिरी। इसमें एंबुलेंस सवार नरेंद्र कुमार, अंशुल और बरहन निवासी चंडीगढ़ चोटिल हो गए। घायलों को 108 सेवा के माध्यम से सिविल अस्पताल रुड़की में भर्ती कराया।

# उत्तराखंड में भारी बर्फबारी, बदरीनाथ- गंगोत्री हाइवे बंद

देहरादून। उत्तराखंड में उच्च हिमालय में बर्फबारी और पहाड़ों में वर्षा रही। चमोली जिले में बीते दिन हुई बर्फबारी व वर्षा के चलते बदरीनाथ हाईवे हनुमान चट्टी से आगे और नीति मलारी हाईवे भापकुंड से आगे बर्फबारी के चलते रविवार को भी शाम तक नहीं खुल पाया।

वहीं औली–ज्योतिर्मठ मोटर मार्ग किमी आठ में बर्फबारी से बाधित था, जिसे यातायात के लिए सुचारू कर दिया गया है। हालांकि औली मोटर मार्ग वर्षा और बर्फबारी के चलते फिसलन भरा बना हुआ है। वहीं, उच्च हिमालय में शीतकाल की तर्ज पर हो रहे हिमपात हो रहा है।

**आदि कैलास यात्रा की राह में बर्फ का रोड़ा**

शीतकाल में मौसम के शांत रहने और फरवरी अंतिम सप्ताह तक उच्च हिमालय

में बर्फबारी से इस वर्ष आदि कैलास यात्रा के समय से पूर्व कराने की तैयारी धरी रह गई है। फरवरी के अंतिम दिनों व मार्च मार्च प्रथम पखवाड़े में उच्च हिमालय में रिकार्ड हिमपात हो चुका है। अभी और बर्फबारी की संभावना है। बीते वर्ष मई प्रथम सप्ताह तक हिमपात हुआ है। वर्तमान की स्थिति के अनुसार 15 अप्रैल से पहले आदि कैलास मार्ग से बर्फ हटाए जाने की संभावना नहीं है। ऐसे में इससे पूर्व यात्रा संभव नहीं है। यात्रा का निर्धारित समय 15 मई माना जाता है, मगर केएमवीएन इस बार अप्रैल से यात्रा कराने की तैयारी में था। यात्रा मार्ग पर जगह–जगह कई फीट बर्फ जमा है। इसके पिघलने या मार्ग से हटने के बाद जहां रास्ते क्षतिग्रस्त होंगे, उन्हें ठीक भी किया जाना है। इसलिए यात्रा मई आखिरी सप्ताह से शुरू हो पाने की उम्मीद की जा रही है।

**खलियाटाप व भुजान तक हिमपात**

कुमाऊं भर में दो दिन से रुक–रुक हल्की व मध्यम वर्षा का क्रम बना हुआ है। सीमांत पिथौरागढ़ जिले में खलियाटाप व भुजान तक हिमपात हुआ है। मुनस्यारी में न्यूनतम तापमान दो डिग्री सेल्सियस तो अधिकतम तापमान सात डिग्री सेल्सियस पहुंच गया है।

**चीन सीमा को जोड़ने वाले तीन मार्ग हिमपात से बंद**

वहीं चीन सीमा को जोड़ने वाले तीन मार्ग हिमपात से बंद हैं। मौसम विभाग के अनुसार, सोमवार से ज्यादातर क्षेत्रों में मौसम शुष्क रहने का अनुमान है। जिससे तापमान में वृद्धि हो सकती है। पर्वतीय क्षेत्रों में कहीं–कहीं आंशिक बादल छाने और हल्की बूंदाबांदी के आसार हैं)।

# सम्पादकीय

## इस्तीफा गले की फांस

कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल के विधानसभा सदन में दिए गए पहाड़ विरोधी बयान का असर पहले दिन से ही नजर आने लगा था और यह स्पष्ट संकेत बनने लगे थे कि उत्तराखंड की राजनीति में आने वाले दिनों में उनके इस बयान को लेकर हंगामा निश्चित है। पूरे उत्तराखंड में पहाड़ियों को लेकर बोले गए अपशब्द ने राज्य में पहाड़ बना मैदान का एक बड़ा मुद्दा खड़ा कर दिया इसके पक्ष में और विरोध में भी लोग आ खड़े हुए। इधर प्रेमचंद अग्रवाल ने भावुक अंदाज में अपने त्यागपत्र की घोषणा करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को अपना त्यागपत्र सौंपा लेकिन उनके द्वारा यह काफी देर से उठाया गया कदम है क्योंकि इससे पहले ही उन्हें केंद्र में जीओएम में शामिल कर लिया गया है। यहां निश्चित तौर पर विवादित बयान देने के बाद सरकार के निर्णय लेने के पक्ष पर भी सवाल खड़े होते हैं क्योंकि तमाम विरोध के बावजूद मुख्यमंत्री इस मुद्दे पर पहाड़ के लोगों के साथ खड़े नजर नहीं आए और ना ही खुले तौर पर उनके द्वारा या फिर भाजपा के बड़े नेताओं द्वारा विरोध व्यक्त किया गया। प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट भी प्रेमचंद अग्रवाल के साथ खड़े नजर आए और इसे केंद्र का मुद्दा बात कर प्रदेश संगठन को ही हाशिए पर डाल दिया। कैबिनेट मंत्री प्रेम चन अग्रवाल द्वारा अभी इस्तीफा दिया गया है लेकिन यह मुख्यमंत्री के विवेक पर निर्भर करता है कि वह इस्तीफा स्वीकार करते हैं कि नहीं, लेकिन एक कड़वा सत्य यह भी है कि उत्तराखंड में सरकार केंद्र के इशारों पर चलती है और खुद महेंद्र भट्ट ऐसे संकेत इस मुद्दे पर दे चुके हैं। यह प्रकरण उत्तराखंड के राजनैतिक एवं सामाजिक भविष्य के लिए किस करवट बैठेगा यह तो आने वाला समय ही बताएगा लेकिन यह निश्चित हो गया है कि उत्तराखंड के आने वाले चुनावों में पहाड़ बना मैदान का मुद्दा अन्य मुद्दों से कहीं ऊपर नजर आएगा। सरकार की ओर से इस प्रकरण को सही समय पर मैनेज नहीं किया गया और इसी का परिणाम है कि स्थिति इस प्रकार से बिगड़ गई है की प्रेमचंद अग्रवाल का इस्तीफा अब सरकार के गले की भी फांस बन गया है। 23 मार्च को धामी सरकार अपने कार्यकाल का 3 वर्ष पूरे करने जा रही है और उससे पहले मंत्रिमंडल विस्तार पर मोहर लगेगी या नहीं और यदि लगती है तो फिर देखना यह होगा की कतार में बैठे किन विधायकों को मंत्रिमंडल में शामिल किया जाता है? उत्तराखंड में पहाड़ बनाम मैदान एक बड़ा मुद्दा बन चुका है तथा सरकार और संगठन अब इस चक्रव्यूह से बाहर नहीं निकल सकते। जिस प्रकार से प्रेमचंद अग्रवाल के समर्थन में व्यापारी वर्ग बयानबाजी कर रहे हैं और उत्तराखंड में मणिपुर जैसी स्थिति पैदा होने की संभावनाएं जता रहे हैं वह वाकई चौंका देने वाला है। भाजपा यदि 2027 में अपनी सरकार को बचाए रखना चाहती है तो उसे अभी से पहाड़ी बना मैदान के बीच चल रहे विरोध को समन्वय के साथ निपटाना होगा अन्यथा इसके दूरगामी परिणाम निश्चित तौर पर विधानसभा चुनाव में नजर आएंगे।

# परीक्षा योद्धाओं की नई परिभाषा: परीक्षा के युद्धक्षेत्र से परे

**हमारी क्रेडिट ट्रांसफर नीति जो एक अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट स्थापित करती है, एक और उन्नतिशील कदम आगे बढ़ाती है। यह माना जाता है कि जीवन का मार्ग हमेशा सीधा नहीं हो सकता है, बल्कि इसमें उतार–चढ़ाव भी हो सकते हैं और सीखना विभिन्न परिस्थितियों में विभिन्न गति से हो सकता है। शिक्षार्थी औपचारिक शिक्षा को रोक सकते हैं क्योंकि वे अपनी रुचि के अनुसार काम करते हैं, व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करते हैं तथा अपने परिवार का समर्थन करते हैं। जब वे औपचारिक शिक्षा में वापस लौटते हैं, तो उनके अपने अनुभव और उपलब्धियां काम आती हैं और इन्हें महत्व दिया जाता है जो उनके क्रेडिट अकादमिक रिकॉर्ड में शामिल किया जाता है। यह अनुकूलनियता इस बात को जोर देती है कि सीखने के दरवाज़े हमेशा खुले रहते हैं, जो लोगों को उनके जीवन के किसी भी मोड़ पर सीखने के पारिस्थितिकी तंत्र में वापस लाते हैं।**

**धर्मेंद्र प्रधान**

प्रकृति ने अपनी असीम बुद्धि से प्रत्येक मनुष्य को एक अलग पहचान दी है – हमारी उंगलियों के निशान से लेकर आंखों की पुतलियों तक, हमारे अनुभव से लेकर विचारों तक, हमारी प्रतिभाओं से लेकर उपलब्धियों तक। मानवीय विशिष्टता के बारे में यह गहन सत्य हमारे समाज की विशेषता रही है और हमारी शिक्षा प्रणाली को इस विशेषता को प्रतिबिंबित करना चाहिए। प्रत्येक बच्चे में कुछ जन्मजात प्रतिभा होती है, कुछ शैक्षिक प्रतिभा से चमकते हैं, अन्य रचनात्मकता के लिए तत्पर होते हैं, कई अन्य एथलेटिक और पेशेवर कौशल से युक्त होते हैं। इस विशिष्टता को दर्शाते हुए, स्वामी विवेकानंद ने एक बार कहा था, शिक्षा मनुष्य में पहले से मौजूद पूर्णता की अभिव्यक्ति है।

एक बच्चे की प्राकृतिक प्रतिभा को निखारना और उसे उसकी पसंद के शैक्षणिक और पाठ्येतर गतिविधियों में रचनात्मक रूप से शामिल करना हमारे शैक्षणिक संस्थानों के सामने कठिन चुनौतियां रही हैं। शिक्षकों और नीति निर्माताओं के रूप में हमारी भूमिका एक बच्चे की अनूठी प्रतिभा को विकसित करना है, जिससे वह चुने हुए लक्ष्य में श्रेष्टता प्राप्त कर सके। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 ने प्रतिभा को परिभाषित करने और उसको विकसित करने के तरीके में एक विलक्षण बदलाव किया है। यह एक दार्शनिक ढांचा है जो वास्तव में हमारे प्रत्येक बच्चे में मौजूद विशिष्टता की सूक्ष्म रूपरेखा का वर्णन कर सकता है जो हमारे देश की उन्नति में योगदान देता है।

हमारे प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में, हम शिक्षा में संपूर्ण सुधार लागू कर रहे हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि बच्चे की शैक्षिक यात्रा हमेशा रोमांचकारी और यादगार बनी रहे। बच्चे पढ़ाई और परीक्षा के दौरान किसी भी तरह के तनाव और दबाव से मुक्त रहें। यह दृष्टिकोण हमारे शैक्षिक सुधारों का केंद्र है, बुनियादी शिक्षा से लेकर शिक्षा और अनुसंधान के उच्चतम स्तरों तक।

कुछ साल पहले, हमारे युवा शिक्षार्थियों के लिए बाल वाटिका या खिलौना–आधारित शिक्षा ने व्यापक संदेह को आमंत्रित किया होगा। आज, एनईपी की बदौलत, ये अभिनव दृष्टिकोण प्रारंभिक शिक्षा में आमूल परिवर्तन ला रहे हैं, जिससे सीखना कष्टदायक होने के बजाय एक आनंददायक कार्य बन गया है। हमारी नई शिक्षा प्रणाली यह मानती है कि प्रत्येक बच्चा अपनी प्राकृतिक प्रतिभा के अनुसार विकास करता है।

हमारी क्रेडिट ट्रांसफर नीति जो एक अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट स्थापित करती है, एक और उन्नतिशील कदम आगे बढ़ाती है। यह माना जाता है कि जीवन का मार्ग हमेशा सीधा नहीं हो सकता है, बल्कि इसमें उतार–चढ़ाव भी हो सकते हैं और सीखना विभिन्न परिस्थितियों में विभिन्न गति से हो सकता है। शिक्षार्थी औपचारिक शिक्षा को रोक सकते हैं क्योंकि वे अपनी रुचि के अनुसार काम करते हैं, व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करते हैं तथा अपने परिवार का समर्थन करते हैं।

जब वे औपचारिक शिक्षा में वापस लौटते हैं, तो उनके अपने अनुभव और उपलब्धियां काम आती हैं और इन्हें महत्व दिया जाता है जो उनके क्रेडिट अकादमिक रिकॉर्ड में शामिल किया जाता है। यह अनुकूलनियता इस बात को जोर देती है कि सीखने के दरवाज़े हमेशा खुले रहते हैं, जो लोगों को उनके जीवन के किसी भी मोड़ पर सीखने के पारिस्थितिकी तंत्र में वापस लाते हैं।

सरकार ऐसी संस्कृति विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है, जहां परीक्षा में सफलता कभी भी संपूर्ण विकास पर हावी न हो, जिससे हमारे युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य को नुकसान न हो। इस महत्वपूर्ण चुनौती को पहचानते हुए, हमारी सरकार ने परीक्षा से संबंधित तनाव को दूर करने में मदद करना एक राष्ट्रीय प्राथमिकता बना दिया है।

प्रधानमंत्री की अभूतपूर्व परीक्षा पे चर्चा पहल छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों के मूल्यांकन के तरीके को बदलने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। छात्रों और अभिभावकों के साथ प्रधानमंत्री की बातचीत ने परीक्षा की चिंता को राष्ट्रीय संवाद में बदल दिया है। उन्होंने पिछले कई वर्षों से परीक्षाओं को लेकर होने वाली चिंता को दूर करने का प्रयास किया है, जो संवेदनशील दिमाग पर अनावश्यक दबाव डालती है।

प्रधानमंत्री के अपने जीवन और अनुभवों से लिए गए व्यावहारिक सुझावों को परीक्षार्थियों ने खूब सराहा है, जिससे उनका परीक्षा में तनाव मुक्त प्रदर्शन आश्वस्त हुआ है। सच्चे नेतृत्व के एक उदाहरण में, हम भारतीयों की भावी पीढ़ी को बढ़ावा देने के लिए एक दूरदर्शी नेता के समर्पण को देख रहे हैं जो राष्ट्र निर्माण में योगदान देता है और राष्ट्र की प्रगति की ओर निरंतर अग्रसर होना सुनिश्चित करता है। माता–पिता और समाज तथा नागरिक पर ये परिवर्तन केंद्रित है। परीक्षा पे चर्चा मानसिक स्वास्थ्य और शिक्षण सहायक, वातावरण के महत्व को उजागर करने में परिवर्तनकारी रही है। यह एक ऐसी मानसिकता है जिसे केवल 10वीं और 12वीं के छात्रों की बोर्ड की कक्षाओं के अलावा सभी कक्षाओं और सभी उम्र के छात्रों में बढ़ावा दिया जाना चाहिए । परीक्षा के समय दबाव और तनाव को दूर करने के सभी चरणों को सिखाया जाना चाहिए।

रवींद्रनाथ टैगोर के बुद्धिमान शब्दों में, बच्चे को अपनी शिक्षा तक सीमित न रखें, क्योंकि वह किसी और समय में पैदा हुआ है। शैक्षिक परिवर्तन के प्रति हमारा दृष्टिकोण इसी ज्ञान से निर्देशित है। यह विचार कि शिक्षा में तनाव अनिवार्य है, इस समझ को बदलने की आवश्यकता है कि वास्तविक शिक्षा पोषण करने वाले वातावरण में पनपती है। जब समुदाय, शिक्षक और परिवार मिलकर ऐसा माहौल बनाते हैं जहां छात्र का विकास हो सकें, तो सफलता अवश्य मिलती है। कक्षा से लेकर खेल के मैदान तक, व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्रों से लेकर अनुसंधान प्रयोगशालाओं तक, हमें ऐसे स्थान बनाने चाहिए जहां अलग–अलग प्रतिभाएं अपनी चमक पा सकें और विकास कर सकें। पारंपरिक एक–आकार–सभी–फिट दृष्टिकोण को बदलने की कोशिश की जा रही है ताकि एक से अधिक सूक्ष्म, उत्तरदायी प्रणाली को रास्ता दिया जा सके जो व्यक्तिगत क्षमता को पहचान सके और उसका विकास कर सकती हो।

जैसे–जैसे हम विकासित भारत की ओर तेज़ी से आगे बढ़ रहे हैं, हमारी शिक्षा प्रणाली राष्ट्रीय परिवर्तन की एक प्रमुख आधारशिला के रूप में खड़ी है। हम मानते हैं कि हर कौशल में योग्यता होती है, हर यात्रा का मूल्य होता है, और हर बच्चे को उत्कृष्टता के लिए अपना अनूठा मार्ग खोजने का अधिकार है। जब हम विविध प्रतिभाओं का पोषण करते हैं, हम अपने समाज के ताने–बाने को मजबूत करते हैं और सभी क्षेत्रों में अपने राष्ट्र की क्षमताओं को बढ़ाते हैं।

आज, मैं अपने महान राष्ट्र के प्रत्येक माता–पिता, शिक्षक और नागरिक का आह्वान करता हूं। शिक्षा का परिवर्तन केवल एक सरकारी पहल नहीं है – यह एक राष्ट्रीय मिशन है जो हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता और साझा दृष्टिकोण की मांग करता है। हम अपने लक्ष्यों को तब प्राप्त करेंगे जब सरकार और नागरिक समाज के बीच सहयोग और साझेदारी हमारी नीतियों और कार्यों को परिभाषित करेगी।

हमारे बच्चे हमारा भविष्य हैं। वे अपनी अनूठी प्रतिभा से चमकेंगे और देश को गौरवान्वित करेंगे। एक उज्ज्वल भविष्य हमारा आह्वान करता है। हम मानते हैं कि प्रत्येक बच्चे की अद्वितीयता में भारत के भविष्य की विलक्षणता निहित है। तनाव मुक्त शिक्षा हमारे बेहद प्रतिभाशाली छात्रों के अनुपम योगदान को निखारने की कुंजी होगी।

# अपराधियों पर नकेल

**डॉ. एस.के. मिश्र**

भारत में कानून प्रवर्तन एजेंसियों (एलईए) के लिए आपराधिक मामलों में इंटरपोल के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया को कारगर बनाने के लिए विशेष रूप से भारतपोल पोर्टल केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा लॉन्च किया गया है।

यह पोर्टल भारत में आपराधिक घटनाओं के वांछित भगोड़ों के विरुद्ध 'लाल' तथा अन्य रंग कोडित नोटिस जारी करने के अनुरोधों को सुगम बनाता है। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा बनाए गए इस पोर्टल की महत्त्वपूर्ण विशेषता रीयल टाइम इंटरफेस है।

अभी तक इंटरपोल के साथ काम करने वाली एकमात्र एजेंसी सीबीआई होती थी किंतु भारतपोल लॉन्च होने से हर भारतीय एजेंसी और सभी राज्यों की पुलिस अंतरराष्ट्रीय पुलिस संगठन (इंटरपोल) के साथ जुड़ सकेंगी। पोर्टल और तीन नये आपराधिक कानून विदेश भागे अपराधियों को पकड़ने का मजबूत माध्यम सिद्ध हो सकेंगे। गृह मंत्रालय के अनुसार भारतपोल वास्तविक समय पर सूचना साझा करने और अंतरराष्ट्रीय पुलिस सहायता तक तेजी के साथ पहुंच को सक्षम करके केंद्रीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों और राज्यों की पुलिस के बीच इस प्रकार से समन्वय स्थापित करेगा कि अपराधी की तलाश एवं वापसी की प्रक्रिया और भी सुगम हो जाएगी।

गृह मंत्री ने कहा कि नया पोर्टल केंद्रीय और राज्य जांच एजेंसियों को इंटरपोल में 195 सदस्य देशों से अपने मामलों की सीधे तौर पर जानकारी साझा करने और उनसे जानकारी प्राप्त करने की अनुमति देगा। नई दिल्ली के भारत मंडपम में संपन्न सीबीआई के अलंकरण समारोह में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में 'भारतपोल' की शुरुआत के साथ भारत अंतरराष्ट्रीय जांच में नये युग की शुरुआत कर रहा है। 'भारतपोल' नेटवर्क के माध्यम से 195 देशों के साथ मादक पदाथरे, हथियारों, मानव तस्करी और सीमा पार के अनेक अपराधों से संबंधित घटनाओं से निपटने के लिए सहयोग संभव हो सकेगा। अंतरराष्ट्रीय अपराधों का विश्लेषण करने, उन पर लगाम लगाने से संबंधित तथा अपराधियों को पकड़ने में इससे सहयोग मिलेगा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि फिलहाल राज्यों की पुलिस विदेश भाग चुके अपराधियों का पता लगाने और तत्पचात उनके प्रत्यापण के लिए केस दर केस फैसला करती हैं। इससे विदेश में रह रहे अपराधियों के विरुद्ध कार्रवाई समय पर सुनिश्चित नहीं हो पाती।

अभी तक राज्यों की पुलिस को विदेश भागे भगोड़े के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस अथवा अन्य नोटिस जारी करने के लिए सीबीआई से ई–मेल, पत्र व्यवहार अथवा फैक्स के माध्यम से संपर्क करना पड़ता था। मामलों के फॉलोअप में भी यही तरीका अपनाना होता था। भारतपोल प्रारंभ हो जाने से यह व्यवस्था बदल जाएगी। इस पोर्टल पर किसी अपराधी के विरुद्ध रेड कॉर्नर नोटिस जारी करने के लिए आवेदन किया जा सकता है, जो सीबीआई की मार्फत तत्काल इंटरपोल तक पहुंच जाएगा। पोर्टल पर ही किसी केस की मौजूदा स्थिति को भी देखा जा सकता है अर्थात देश के सुदूर कोने से भी राज्य पुलिस अथवा कोई अन्य जांच एजेंसी विदेश भागे अपराधी का पता लगाने के लिए सरलता एवं शीघ्रता से इंटरपोल तक पहुंच सकती है। पोर्टल के माध्यम से ऐसे अपराधियों के विरुद्ध भी कार्रवाई की जा सकेगी जो दूसरे देशों में अपराध करने के पश्चात भारत में छिप कर रह रहे हैं। अतः देश की जांच एजेंसियों को भारतपोल का भरपूर इस्तेमाल करना चाहिए ताकि अपराधियों को ढूंढ लाना संभव हो सके। तीनों आपराधिक कानून लागू होने से अपराधियों के विरुद्ध उनकी अनुपस्थिति में भी ट्रायल करने का रास्ता साफ हो गया है।

उल्लेखनीय है कि आधुनिक तकनीक से बने भारतपोल पर अंतरराष्ट्रीय आपराधिक पुलिस संगठन के 19 प्रकार के डाटा बेस उपलब्ध हैं, जो अपराधों का गहन विश्लेषण अथवा मीमांसा करने, अपराध रोकने और अपराधियों को पकड़ने में सशक्त सहयोगी सिद्ध हो सकेंगे। वास्तव में वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए अपनी पप्रालियों एवं तंत्रों को उन्नत करने की सामयिक आवश्यकता थी और भारतपोल उस दिशा में समयोचित कदम कहा जा सकता है। गृह मंत्री शाह ने कहा कि भारतपोल के पांच प्रमुख मॉड्यूल–कनेक्ट, इंटरपोल नोटिस, संदर्भ, प्रसारण और संसाधन–हमारी कानून प्रवर्तन एजेंसियों को समर्थन देने के लिए तकनीकी मंच प्रदान करते हैं। कनेक्ट के माध्यम से हमारी कानून प्रवर्तन एजेंसियां अनिवार्य रूप से इंटरपोल के राष्ट्रीय केंद्रीय ब्यूरो (एनसीबी, नई दिल्ली) के विस्तार के रूप में कार्य करेंगी। यह प्रणाली इंटरपोल नोटिस के अनुरोधों पर त्वरित, सुरक्षित और संरक्षित प्रसारण सुनिश्चित करेगी जिससे भारत के भीतर एवं बाहर अपराधियों का तेजी से पता लगाने के लिए वैज्ञानिक तंत्र सक्षम होगा और समय पर अपराधियों पर नकेल डाली जा सकेगी।निस्संदेह भारतपोल पोर्टल इंटरपोल डेटाबेस तक पहुंचेगा जिससे अधिकारी डाटा का विश्लेषण करने, अपराध रोकथाम रणनीति विकसित करने और अपराधियों को और अधिक प्रभावी ढंग से पकडने और पता लगाने में सक्षम होंगे। वास्तव में इस दौर में साइबर अपराध की दुनिया में अनवरत उभरती चुनौतियों का तीव्रता, निपुणता तथा दक्षता से समाधान करने की प्रणाली की क्षमता को त्वरित गति की जरूरत भी है। निश्चित ही भारत की इस क्षेत्र में पहल क्रांतिकारी परिणाम दे सकेगी जिसमें जांच प्रक्रियाओं को फिर से परिभाषित करने और कानून प्रवर्तन को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की क्षमता निहित है। भारतपोल का उद्देश्य इंटरपोल के साथ संवाद को सीधे तौर पर सरल, सुलभ, सक्षम, समयबद्ध और तीव्र गति से सुविधाजनक बनाना है। 2047 तक भारत को पूर्ण विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प चरितार्थ करने वाला यह महत्त्वपूर्ण कालखंड भी है। अतः हमें अपनी वर्तमान चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए अपनी व्यवस्थाओं को अपग्रेड करना होगा। भारत की समृद्धि और सुरक्षा के साधन सम–सामयिक बनाने पर विशेष बल देना होगा ताकि समय रहते समस्या का समाधान संभव हो सके।

# बॉलीवुड की नई सेंसेशन बनी श्रीलीला, कार्तिक आर्यन संग अफेयर की खबरों से मचा हलचल

साउथ की ग्लैमरस एक्ट्रेस श्रीलीला इन दिनों बॉलीवुड में अपनी एंट्री से पहले ही खूब सुर्खियां बटोर रही हैं. एक ओर जहां वो पुष्पा 2 के आइटम सॉन्ग किसिक में अपनी दमदार परफॉर्मेंस से लोगों का दिल जीत चुकी हैं, वहीं दूसरी ओर उनका नाम बॉलीवुड के सुपरस्टार कार्तिक आर्यन के संग जुड़ रहा है.

खबरों के मुताबिक श्रीलीला, आशिकी फ्रेंचाइज़ी की अगली फिल्म में कार्तिक आर्यन के साथ बॉलीवुड डेब्यू करने जा रही हैं. हाल ही में दोनों को एक प्राइवेट फैमिली फंक्शन में एक साथ देखा गया. इसके बाद से दोनों के रिलेशन की चर्चाएं तेज हो गई हैं. सोशल मीडिया पर आईफा 2025 के एक वीडियो में कार्तिक की मां माला तिवारी से जब होने वाली बहू को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, घर की डिमांड है एक बहुत अच्छी डॉक्टर. श्रीलीला का जन्म 2001 में अमेरिका के डेट्रॉइट में हुआ था. वे तेलुगू परिवार से ताल्लुक रखती हैं. उन्होंने 2017 में एक्टिंग करियर की शुरुआत की और किस और भराटे जैसी कन्नड़ फिल्मों से पहचान बनाई. इसके बाद उन्होंने तेलुगू इंडस्ट्री में भगवंत केसरी और गुंटूर कारम जैसी बड़ी फिल्मों में काम किया.

## अंबाती रायडू ने चुनी मुंबई इंडियंस की प्लेइंग इलेवन

नई दिल्ली , भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर अंबाती रायडू ने आईपीएल 2025 के लिए मुंबई इंडियंस की संभावित प्लेइंग इलेवन का चुनाव किया है। रायडू ने मुंबई की प्लेइंग इलेवन में सिर्फ तीन विदेशी खिलाड़ियों को ही चुना है उन्हें भरोसा है कि बाकी 8 भारतीय खिलाड़ी इस टीम की नैय्या पार लगा सकते हैं। रायडू ने अपनी प्लेइंग इलेवन के बारे में बताया। मुंबई के ओपनर्स के रूप में रायडू ने रोहित शर्मा और स्यान रिकेल्टन को चुना है। जबकि नंबर तीन, चार और पांच के लिए उन्होंने तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव और हार्दिक पांड्या को चुना है। नंबर 6 पर उन्होंने युवा नमन धीर पर भरोसा जताया है जबकि नंबर सात के लिए उनकी पसंद न्यूजीलैंड के लिमिटेड ओवर्स कप्तान मिचेल सैंटनर हैं। इसके बाद उन्होंने तीन तेज़ गेंदबाजों में जसप्रीत बुमराह, ट्रेंट बोल्ट और दीपक चाहर को चुना है।

# मुझे नहीं लगता कि दिल्ली की टीम पर कोई मानसिक अवरोध है : डीसी कोच बैटी

नई दिल्ली , ब्रेबोर्न स्टेडियम में 2025 के फाइनल में मुंबई इंडियंस से आठ रन से हारने के बाद लगातार तीसरी बार दिल्ली कैपिटल्स महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में उपविजेता रही। लीग चरण में तालिका में शीर्ष पर रहने के बावजूद खिताबी मुकाबले में एक और दिल टूटने के बाद मुख्य कोच जोनाथन बैटी ने अपनी टीम का बचाव करते हुए मेग लैनिंग की अगुआई वाली टीम में मानसिक अवरोध की बातों को खारिज कर दिया। बैटी ने कहा, लड़कियां वास्तव में सकारात्मक रही हैं, मैं उन्हें दोष नहीं दे सकता। कोई भी नकारात्मक बात नहीं हुई जैसे कि ओह हमने पिछले दो फाइनल में गड़बड़ कर दी है, हम इस बार भी यही बोझ उठाने जा रहे हैं, ऐसा कुछ भी नहीं। मुझे लगा कि वे वास्तव में सकारात्मक थीं, वास्तव में आत्मविश्वास से भरी हुई थीं। लड़कियां शानदार रही हैं, उन्होंने शानदार प्रशिक्षण लिया है। मुझे नहीं लगता कि यह बिल्कुल भी मानसिक अवरोध है। आप देखें कि हमने पहले हाफ में गेंद और फील्डिंग के साथ कैसा प्रदर्शन किया और उन्हें उस विकेट पर 149 रन पर रोक दिया। आप देखें कि पूरे सप्ताह में क्या हुआ, एलिमिनेटर और यहां के अन्य मैचों में, हम उम्मीद कर रहे थे कि शायद 180 के बराबर स्कोर होगा, इसलिए हम इससे वास्तव में प्रसन्न थे। बैटी ने कहा, खिलाड़ी इसके लिए तैयार थे, वे ठीक थे और मुझे लगता है कि किसी भी तरह की मानसिक स्कावट नहीं थी। लेकिन इसका पूरा श्रेय विपक्ष को जाता है,

# राणा दग्गुबाती की स्पिरिट मीडिया द्वारा समर्थित सच्ची घटनाओं से प्रेरित मूवी 23 का टीजर रिलीज

निर्देशक राज आर, जिन्हें समीक्षकों द्वारा प्रशंसित फिल्में मल्लेशम और 8 ए.एम. मेट्रो के लिए जाना जाता है, 23 नामक एक और दिलचस्प प्रोजेक्ट के साथ वापस आ गए हैं। वास्तविकताओं की पड़ताल करती है। यह फिल्म स्टूडियो 99 द्वारा निर्मित और राणा दग्गुबाती के स्पिरिट मीडिया द्वारा वितरित की गई है। हाल ही में फिल्म का टीज़र रिलीज़ किया गया, जिसमें मनोरंजक कहानी की झलक दिखाई गई।यह फिल्म तीन दुखद सामूहिक हत्याओं के इर्द–गिर्द केंद्रित एक मनोरंजक कहानी को सामने लाती है: 1991 का सुंदुरु नरसंहार, 1993 का चिलकलुरिपेट बस जलाने की घटना और 1997 का जुबली हिल्स कार बम विस्फोट।इन परस्पर जुड़ी कहानियों के माध्यम से, 23 न्याय की जटिल और अक्सर परस्पर विरोधी प्रकृति की जाँच करते हुए त्रासदी की मानवीय लागत का पता लगाने के लिए वास्तविक जीवन की घटनाओं को सामने लाती है। सच्ची घटनाओं से प्रेरित यह फिल्म कई कहानियों को एक साथ जोड़ती है और न्याय की जटिलताओं, त्रासदियों के भावनात्मक और सामाजिक परिणाम और हिंसा की कठोर

## खतरों के खिलाड़ी 15 में नजर आ सकती हैं मल्लिका शेरावत

अभिनेत्री मल्लिका शेरावत को पिछली बार राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी के साथ फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो में देखा गया था, जिसमें उनके काम को काफी सराहा गया। हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म कुछ खास कमाल नही दिखा सकी। अब खबर आ रही है कि मल्लिका जल्द ही रोहित शेट्टी का स्?टंट पर आधारित रियलिटी शो खतरों के ख?िलाड़ी के 15वें सीजन में नजर आएंगी। वह इस शो का हिस्सा बनने को लिए काफी उत्साहित हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, मल्लिका स्?टंट पर आधारित रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी 15 में बतौर प्रतियोगी भाग लेने के लिए तैयार हैं। निर्माताओं ने हाल ही में अभिनेत्री से संपर्क किया था और इस सीजन में दिलचस्पी दिखाई है। बता दें कि इससे पहले भी मल्लिका को यह शो ऑफर किया गया था, लेकिन व्यस्त शेड्यूल के चलते वह इसमें भाग नही ले पाईं। हालांकि, इस साल उनकी तरफ से चीजें सकारात्मक दिख रही हैं।

# हरमनप्रीत की पारी हमारे लिए निर्णायक साबित हुई : एमआई कोच एडवर्ड्स

मुंबई ,मुंबई इंडियंस (एमआई) ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) का दूसरा खिताब जीत लिया। उन्होंने फाइनल मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) को आठ रनों से हराया। इस जीत के बाद एमआई की मुख्य कोच शार्लेट एडवर्ड्स ने कप्तान हरमनप्रीत कौर की 66 रनों की शानदार पारी को मैच का टर्निंग पॉइंट बताया। मुकाबले में हरमनप्रीत ने घुटने की परेशानी के बावजूद बेहतरीन शॉट खेले और शानदार 66 रन बनाए। उन्होंने 44 गेंदों की अपनी पारी में नौ चौके और दो छक्के लगाए। हालांकि एमआई की शुरुआत धीमी रही और पहले छह ओवर में सिर्फ 20 रन बने, लेकिन इसके बाद टीम ने संभलकर 149/7 का स्कोर खड़ा किया। एमआई के गेंदबाजों ने इस लक्ष्य को बचाने में शानदार प्रदर्शन किया, जिसमें नैट साइवर ब्रंट ने तीन विकेट चटकाए और डीसी को 141/9 तक सीमित कर दिया। शार्लेट एडवर्ड्स ने मैच के बाद कहा, हम जानते थे कि इस मैदान पर पहले छह ओवरों में बल्लेबाजी करना मुश्किल होगा, लेकिन बाद में हम वापसी कर सकते हैं। उन्होंने हरमनप्रीत की पारी की तारीफ करते हुए कहा, जब वह अपनी बेहतरीन लय में होती हैं, तो वह दुनिया की सबसे बेहतरीन खिलाड़ी बन जाती हैं। निश्चित तौर पर वह दूसरा खिताब जीतना चाहती थीं और उसके लिए उन्होंने अपने पारी में वह सब कुछ किया। इस मैदान पर पहले छह ओवर मुश्किल होते हैं, तो मुझे लगता है हरमनप्रीत ने हालातों को बहुत अच्छे से समझा। वह जानती थीं किस गेंदबाज के खिलाफ आक्रमक होना है और यह एक निर्णायक पारी थी जिसने हमें गेम में आगे कर दिया।

डीसी के मुख्य कोच जोनाथन बैटी ने भी हरमनप्रीत की इस पारी को सराहा और कहा कि उन्होंने एमआई को ट्रॉफी जिताने में अहम भूमिका निभाई।

## एक नजर

### ओलावृष्टि से फल और फूलों को हुआ नुकसान

नई टिहरी। मौसम ने फिर करवट ली है। शनिवार के बाद रविवार को भी बारिश का सिलसिला जारी रहा। बारिश फसलों के लिए अच्छी मानी जा रही है। हालांकि भिलंगना ब्लॉक क्षेत्र में हुई ओलावृष्टि से फसलों के साथ ही फलों के लिए भी नुकसानदायक साबित हुई है। लगातार हो रही बारिश से वन विभाग ने राहत की सांस ली है। रविवार को भिलंगना ब्लॉक के बालगंगा क्षेत्र के बासर,केमर,आरगढ़, गोनगढ़, बूढ़ाकेदार पट्टियों के कई गांवों में भारी ओलावृष्टि से किसानों की फसलें बर्बाद हो गई। दोपहर बाद हुई ओलावृष्टि से फल, फूलों और सब्जियों को भारी नुक़सान पहुंचा है। आड़ू, खुमानी, माल्टा, सेब, नाशपाती, कीवी आदि के पेड़ों पर लगे फूल पूरी तरह ओलावृष्टि की चपेट में आ गए हैं। वहीं मटर, गेंहू, सरसों सहित तमाम अनाजों को भी ओलावृष्टि से नुकसान हुआ है। मांदारा गांव के पूर्व प्रधान मोहन लाल भट्ट,डॉ.नरेश बसलियाल, गिरीश नौटियाल, दिनेश लाल, धनपाल नेगी, हिम्मत सिंह आदि ने सरकार से किसानों को उचित मुआवजे की मांग की है। शनिवार के बाद रविवार को भी नई टिहरी, बौराड़ी, प्रतापनगर, लंबगांव, चंबा,आगरखाल ,थत्यूड़, नैनबाग, जाखणीधार, कंडीसौड़ क्षेत्र में झमाझम बारिश से ठंडक वापस लौट आई है। मौसम विज्ञान केंद्र रानीचौरी के तकनीकी अधिकारी प्रकाश सिंह नेगी ने बताया कि बारिश गेहूं,जौ,मटर,सरसों के लिए काफी लाभदायक है। हालांकि ओलावृष्टि फल-फूलों के लिए नुकसानदायक है। ऐसे में किसानों को फलों के पौधों की सुरक्षा करनी जरूरी है।

### चमोला हुए बेटी रत्न 2025 से सम्मानित

श्रीनगर गढ़वाल। नव प्रज्ञा फाउंडेशन भारत द्वारा शिक्षक अखिलेश चन्द्र चमोला को बेटी रत्न सम्मान 2025 से सम्मानित किया गया है। चमोला 28 वर्षों से ग्रामीण आंचल में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं और समाज में बेहतर कार्य करने वालों को अपने निजी व्यय से सम्मानित कर प्रोत्साहित करने का कार्य करते रहे हैं। चमोला द्वारा लिखी कविता बेटी है सबसे बड़ी पूंजी का राष्ट्रीय स्तर पर मूल्यांकन कर बेटी रत्न 2025 से सम्मानित किया गया। चमोला द्वारा नशे से दूर रहने की मुहिम को साकार करने के लिए विभिन्न कार्यशालाएं भी आयोजित की जाती रही हैं। चमोला 500 से अधिक राष्ट्रीय सम्मान पाधियों से सम्मानित हो चुके हैं। हाल ही में फरीदाबाद विश्वविद्यालय ने उनके समाजोपयोगी कार्यों को रेखांकित करते हुए उन्हें डाक्ट्रेट अवार्ड की मानद उपाधि से विभूषित किया है। चमोला मूल रूप से जनपद रुद्रप्रयाग के ग्राम कौशलपुर के मूल निवासी हैं। वर्तमान में राजकीय इंटर कॉलेज सुमाडी विकासखंड खिर्सू जनपद पौड़ी गढ़वाल में वरिष्ठ हिन्दी अध्यापक के पद पर कार्यरत हैं। शिक्षा विभाग उत्तराखंड द्वारा उन्हें गढ़वाल मंडलीय नशा उन्मूलन नोडल अधिकारी की जिम्मेदारी भी दी गई है।

### फूलदेई यात्रा में दिखी संस्कृति की झलक

श्रीनगर गढ़वाल। फूलदेई सामाजिक एवं सांस्कृतिक कला मंच की ओर से नगर क्षेत्र में रविवार को फूलदेई शोभायात्रा निकाली गई। यात्रा नागेश्वर महादेव मंदिर से एजेंसी मोहल्ला, गोला बाजार, गणेश बाजार, काला रोड़ से बदरीनाथ राजमार्ग होते हुए अदिति स्मृति न्यास में सम्पन्न हुई। कार्यक्रम में नगर क्षेत्र के विभिन्न स्कूलों के छात्र-छात्राओं, स्थानीय लोगों ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग कर शोभायात्रा को भव्य स्वरूप दिया। इस अवसर पर प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में पहने जाने वाले पारंपरिक परिधान पहने छात्र-छात्राएं शोभा यात्रा का मुख्य आकर्षण रहे। इस दौरान छात्रों ने घोघा माता की डोली, देव निशानों के साथ हाथों में फूलों की टोकरी पकड़ घरों व दुकानों की देहरी पर फूल डाले। शोभायात्रा में कुमाऊं से आये कलाकारों द्वारा छोलिया नृत्य की शानदार प्रस्तुति दी गई। इस दौरान ढोल, दमाऊ मशकबीन समेत अन्य वाद्य यंत्रों की थाप पर स्थानीय लोग जमकर थिरकते हुए नजर आये।

समिति के अध्यक्ष अनूप बहुगुणा ने बताया कि शोभा यात्रा में नगर व आसपास के क्षेत्रों से लगभग 16 विद्यालयों के 750 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। इसके अलावा बड़ी संख्या में सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक क्षेत्रों से जुड़े व स्थानीय लोगों ने हिस्सा लिया। उन्होंने बताया कि शोभा यात्रा के बाद छात्रों के दातों को स्वस्थ रखने के लिए चिकित्सकों द्वारा सुझाव भी दिए गए। कार्यक्रम में स्वाणी फुलारी प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। बताया कि फूलदेई पर्व पर अगले रविवार को खेल-कूद गतिविधियां आयोजित होंगी।

# कॉप्लेक्स, मॉल व रेस्टोरेंट की बाढ़, पार्किंग का नहीं इंतजाम

**देवी रोड में सड़क पर खड़े वाहनों के कारण लगा रहता है जाम**

कोटद्वार के देवी रोड में एक मॉल के बाहर सड़क पर बेतरतीब तरीके से खड़े दोपहिया वाहन

**जयन्त प्रतिनिधि।**

कोटद्वारः पिछले तीन वर्षों में देवी रोड में मानो कामर्शियल कांप्लेक्स की बाढ़ सी आ गई हो। हर दो कदम पर कांप्लेक्स, मॉल व बड़े-बड़े रेस्टोरेंट संचालित हो रहे हैं। लेकिन, पार्किंग के नाम पर इन प्रतिष्ठानों में किसी भी प्रकार की व्यवस्था नहीं है। बिल्डिंग का नक्शा पास करने के दौरान अधिकारी भी इस ओर ध्यान नहीं देते। नतीजा, व्यवसायिक भवनों के बाहर सड़क पर खड़े वाहन यातायात व्यवस्था में बाधा बन रहे हैं। साथ ही इससे दुर्घटनाओं का खतरा भी बना हुआ है।

नियमानुसार, किसी भी शापिंग कांप्लेक्स, मॉल व बड़े रेस्टोरेंट में पार्किंग की व्यवस्था होनी आवश्यक है। लेकिन, कोटद्वार शहर में ऐसा कुछ भी नजर नहीं आ रहा। यदि बात की जाए, देवी रोड की तो यहां पिछले तीन वर्षों से लगातार कामर्शियल कांप्लेक्स, माल, रेस्टोरेंट का निर्माण हो रहा है। पहले ही अतिक्रमण की मार झेल रही सड़क किनारे खुले इन व्यवसायिक भवनों ने शहरवासियों की मुश्किलें बढ़ा दी है। पार्किंग स्थल नहीं होने के कारण अधिकांश ग्राहक सड़क पर ही अपने वाहन खड़ा कर देते हैं। सबसे बुरी स्थिति देवी रोड में बनी हुई है। मोटर नगर के समीप स्थित एक व्यवसायिक भवन के बेसमेंट में पार्किंग तो हैं। लेकिन, वहां ताला लगा हुआ है। अन्य शापिंग कांप्लेक्स में पार्किंग की सुविधा भी नहीं है। जबकि, कई भवनों में आफिस के साथ निजी व सरकारी बैंक व शोरूम भी संचालित हो रहे हैं, जहां लगातार ग्राहकों की भीड़ बनी रहती है। शिकायत के बाद भी कार्रवाई न होना सिस्टम की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करती है।

### बेपटरी होती जा रही व्यवस्था

शहर में पार्किंग व्यवस्था नहीं होने के कारण स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। पार्किंग के अभाव में कई लोग अपने वाहनों को सड़क किनारे सफेद पट्टी के बाहर खड़ा कर देते हैं, जिससे सड़क पर पूरे दिन जाम की स्थिति बनी रहती है। शहरवासियों की लाख फरियाद के बाद भी नगर निगम व प्रशासन शहर में पार्किंग स्थल का चयन नहीं कर पाया है।

# बकरियां चरा रहे बुजुर्ग पर भालू का हमला, मौके पर हुई मौत

### बीरोंखाल के ग्राम तोल्यूं की घटना

**जयन्त प्रतिनिधि।**

कोटद्वारः पर्वतीय क्षेत्रों में जंगली जानवरों के हमले थमने का नाम नहीं ले रहे। बीरोंखाल के ग्राम तोल्यूं में बकरी चरा रहे एक बुजुर्ग पर भालू ने हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो गई। गांव में हुई घटना से ग्रामीणों में दहशत का महौल बना हुआ है।

घटना ग्राम सभा बिरगणा के गांव तोल्यूं में रविवार सुबह करीब 10 बजे की है। बलबीर सिंह(74) घर से करीब 200 मीटर के फासले पर गदेरे में बकरियां चराने गए थे। वन विभाग पोखड़ा की दीवा रेंज के जंगल से आए भालू ने बलवीर सिंह पर अचानक हमला कर दिया।बताया जा रहा है कि बलबीर सिंह ने काफी चीख-पुकार की। जब तक ग्रामीण मौके पर पहुंचते, तब तक बलवीर सिंह की सांसें थम चुकी थीं। जिस स्थान पर भालू के हमले में वृद्ध की मौत हुई, वहां से करीब एक किलोमीटर के फासले पर ही वन विभाग की चौकी है। घटना की जानकारी वन कर्मियों और प्रशासनिक अधिकारियों को दी जा रही है। वहीं, गांव के समीप हुई घटना से ग्रामीण दहशत में हैं। ग्रामीणों ने वन विभाग से भालू के आतंक से निजात दिलवाने की मांग की है। कहा कि भालू के डर से ग्रामीणों का घरों से बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया है।

## उमेश डोभाल स्मृति समारोह 29 से

**जयन्त प्रतिनिधि।**

पौड़ीः उमेश डोभाल स्मृति समारोह 29 व 30 मार्च को स्व. पत्रकार उमेश डोभाल के गांव पौड़ी के सिरोली में आयोजित किया जाएगा। उमेश डोभाल स्मृति ट्रस्ट द्वारा प्रति वर्ष उमेश डोभाल स्मृति सम्मान, राजेन्द्र रावत राजू स्मृति जनसरोकार सम्मान, गिरीश तिवारी गिर्दा स्मृति जनकवि सम्मान एवं मीडिया के विभिन्न क्षेत्रों में पुरस्कार दिया जाता है।

ट्रस्ट के महासचिव नरेश नौडियाल ने ने बताया कि ट्रस्ट द्वारा उमेश डोभाल स्मृति सम्मान 2024 महावीर रंवलटा को उनकी साहित्यधर्मिता के लिए उनके समर्पण, प्रेरणादायक और अनुकरणीय कार्य के लिए दिया जाएगा।

समारोह में राजेंद्र रावत राजू स्मृति जनसरोकार सम्मान संस्कृति संवर्धन के प्रति समर्पित मसूरी के समीर शुक्ला को दिया जाएगा। गिरीश तिवारी गिर्दा स्मृति जनकवि सम्मान अल्मोड़ा के हर्ष काफर को उनकी जनपक्षीय कविताओं के लिए दिया जाएगा। बताया कि ट्रस्ट द्वारा हर साल प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक व सोशल मीडिया के युवा पत्रकारों को उनके बीते वर्षों में किए गए कार्यों के आधार पर पुरस्कार दिया जाता है। बताया कि इस वर्ष इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पुरस्कार किशन जोशी, सोशल मीडिया पुरस्कार प्रेम पंचोली को दिया जाएगा।

कार्यक्रम को सफल बनाने को लेकर विभिन्न समितियों का गठन कर लिया गया है। बताया कि 29 मार्च की शाम को को एक सांस्कृतिक जुलूस निकाला जाएगा। जिसके बाद महिला मंगल समूह द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम व नवांकुर नाट्य समूह के कलाकारों द्वारा नाटक का मंचन किया जायेगा। मुख्य समारोह के तहत 30 मार्च को उमेश डोभाल स्मृति सम्मान, राजेंद्र रावत राजू स्मृति जनसरोकार सम्मान, गिरीश तिवारी गिर्दा स्मृति जनकवि सम्मान व मीडिया के विभिन्न क्षेत्रों में पुरस्कार दिया जाएगा।

## मदन सिंह की स्मृति में क्रिकेट टूर्नामेंट शुरू

जयन्त प्रतिनिधि।पौड़ीः कल्जीखाल ब्लॉक के बूंगा गांव के बुलीसैण क्रिकेट स्टेडियम में स्व. मदन सिंह की स्मृति में प्रथम क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य समारोह के साथ आयोजन किया गया। ब्लॉक द्वारीखाल प्रशासक महेंद्र राणा और वरिष्ठ भाजपा नेता वेद प्रकाश वर्मा द्वारा दीप जलाकर कर कार्यक्रम का शुभारंभ कर महिला और पुरुष वर्ग क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर महिला मंगल दलों और स्थानीय कलाकारों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। क्रिकेट प्रतियोगिता के आयोजनकर्ता विपुल रावत रॉनी विकास टैंट हाउस सतपुली द्वारा अपने दादा स्व. मदन सिंह की स्मृति में प्रथम क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य समारोह के साथ आयोजन किया गया। इस मौके पर बलदेव रावत, प्रेम सिंह रावत, मुकेश चंद, सुनील डंडरियाल, संदीप डोबरियाल, नीतेश काला आदि शामिल रहे।

# होली के बाद मैदान के लिए यात्री बढ़े

### रविवार को बड़ी संख्या में मैदान जाने वाले यात्रियों की दिखी संख्या

कोटद्वार बस अड्डे में वाहनों का इंतजार करते यात्री

**जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः** होली से पूर्व जहां पहाड़ जाने वाले यात्रियों की संख्या बढ़ गई थी वहीं, अब होली संपन्न होने के बाद मैदान के यात्रियों की संख्या में इजाफा देखने को मिल रहा है। रविवार को कोटद्वार बस अड्डे पर यात्रियों की भारी भीड़ उमड़ी हुई थी। बस में पहले सीट पाने के लिए यात्रियों में मारामारी मची हुई थी। यात्रियों की संख्या को देखते हुए परिवहन निगम ने अतिरिक्त बसें चलाई।

होली मनाने के लिए बड़ी संख्या में प्रवासी अपने गांव पहुंचे थे। ऐसे में रविवार से उनके वापस मैदान की ओर लौटने का सिलसिला शुरू हो गया है। रविवार को पहाड़ से कोटद्वार आने वाले वाहन यात्रियों से खचा-खच भरे हुए थे। इसके बाद कोटद्वार से मैदान जाने की ओर जाने के लिए यात्रियों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। बस अड्डे में पहुंचते ही बसें यात्रियों से फुल हो जा रही थी। यही हाल हरिद्वार व देहरादून रूट पर संचालित होने वाले मैक्स वाहनों का भी बना हुआ था। सबसे अधिक परेशान परिवार के साथ यात्रा करने वाले यात्रियों को उठानी पड़ी। कई परिवारों को मजबूरन निजी वाहन बुक कर आवाजाही करनी पड़ी। अचानक बढ़ी यात्रियों की संख्या को देखते हुए परिवहन निगम को रूट पर बसों की संख्या बढ़ानी पड़ी। दिल्ली व देहरादून रूट पर हर घंटे में बसों का परिवहन निगम की इस व्यवस्था से यात्रियों को काफी राहत मिली।

# घर-घर जाकर दहली पर डाले फूल, धूमधाम से मनाया फूलदेई पर्व

### कोटद्वार में धूमधाम के साथ मनाया गया फूलदेई का पर्व

कोटद्वार में फूलदेई का पर्व मनाते बच्चे

**जयन्त प्रतिनिधि।**

कोटद्वारः फूलदेई का पर्व कोटद्वार में धूमधाम के साथ मनाया गया। बच्चों ने घर-घर जाकर लोगों को बधाइयां दी साथ ही दहली पर फूल डालते हुए अपनी संस्कृति व सभ्यता के संरक्षण की अपील की। परंपरागत वैशभूषा में नगर आ रही बच्चों की टोली ने लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया था।

फूलदेई को लेकर बच्चों में काफी उत्साह बना हुआ था। क्षेत्र पंचायत सदस्य सुनीता कोटनाला, रेणु कोटनाला व मंजू देवी के नेतृत्व में बच्चों की टीम घर-घर पहुंची। बच्चों ने हाथों में फूल की थाल पकड़ी हुई थी और घर की दहली पर फूल डाले। पदमपुर क्षेत्र में भी शिक्षक संतोष नेगी के नेतृत्व में बच्चों ने फूलदेई का पर्व मनाया। बच्चों के लिए घरों में जलपान की भी व्यवस्था की गई थी। जगह-जगह बच्चों का स्वागत किया गया। इस दौरान बच्चे फूल देई, छम्मा देई, दैणी द्वार भर भकार सहित अन्य गीत गा रहे थे। वक्ताओं ने कहा कि हमारी संस्कृति ही हमारी पहचान है। हम सभी को अपनी संस्कृति व सभ्यता के प्रचार-प्रसार के लिए आगे आना चाहिए। इस मौके पर मधु देवरानी, रजनी नेगी, शकुंतला रावत, धीरा जदली, लक्ष्मी रावत, शालिनी नेगी आदि मौजूद रहे।

### संस्कृत शास्त्र महाकुंभ में जुटेंगे देशभर के विद्यार्थी

नई टिहरी। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय का अखिल भारतीय शास्त्रोत्सव हरिद्वार में 18 मार्च से शुरू होगा। संस्कृत के विभिन्न शास्त्रों की राष्ट्रीय स्तरीय स्पर्धा में विभिन्न शिक्षण संस्थानों के वे छात्र भाग लेंगे, जो राज्य स्तरीय परीक्षाओं को उत्तीर्ण कर चुके हैं। उद्घाटन के मुख्य अतिथि उत्तराखंड के राज्यपाल गुरमीत सिंह होंगे। जबकि समापन पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी व केंद्रीय शिक्षा राज्यमंत्री सुकांत मजूमदार उपस्थित रहेंगे। कुलपति प्रो वरखेड़ी ने बताया कि यहां 34 शास्त्रीय स्पर्धाओं में लगभग एक हजार प्रतियोगी भाग लेंगे व सौ से अधिक विद्वान प्रतियोगिताओं के निर्णायक होंगे। सभी स्पर्धाएं पतंजलि विश्वविद्यालय परिसर हरिद्वार मे होंगी। जिसमें स्वामी रामदेव व आचार्य बालकृष्ण की विशेष उपस्थिति रहेगी। कुलपति प्रो वरखेड़ी के अनुसार 18 से 21 मार्च तक आयोजित अखिल भारतीय शास्त्रोत्सव में काव्यकंठपाठ, अष्टाध्यायी कंठपाठ, सुभाषितकंठपाठ, शास्त्रीय स्फूर्तिस्पर्धा, व्याकरण शलाका परीक्षा, साहित्य शलाका परीक्षा जैसी 34 प्रतियोगिताएं होंगी।

# नन्हें बच्चों की प्रस्तुतियों ने मोहा दर्शकों का मन

**जयन्त प्रतिनिधि।**

कोटद्वारः कड़क पहाड़ी प्रोत्साहन समिति की ओर से होली सांस्कृतिक महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें महिला कीर्तन मंडलियों ने रस्साकसी व कुर्सी दौड़ प्रतियोगिता व छोटे बच्चों की नृत्य प्रतियोगिता आयोजित करवाई गई। रस्साकसी प्रतियोगिता में जीतपुर की राधेश्याम कीर्तन मंडली ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ कीर्तन मंडली की अध्यक्ष रजनी देवी, प्रोत्साहन समिति के अध्यक्ष बबलू नेगी व सामाजिक कार्यकर्त्ता अजय भाटिया ने किया।

इस दौरान आयोजित कीर्तन मंडलियों की रस्साकसी प्रतियोगिता में जीतपुर की राधेश्याम कीर्तन मंडली प्रथम, काशीरामपुर तल्ला की दुर्गा कीर्तन मंडली द्वितीय रही। कुर्सी दौड़ प्रतियोगिता में अमिता नेगी प्रथम, मोहनी द्वितीय व दीपिका तृतीय रही। शिशुओं की नृत्य प्रतियोगिता में सोनाली रावत प्रथम, आद्य बिष्ट द्वितीय व आरोही तृतीय रही। इस मौके पर घायल पशुओं की देखभाल कर उनका उपचार करने वाले सुमित्रा रावत, सोनाली रावत, शालु रावत, ऋतु डुकलान, गुनगुन रावत, शंकुतला व पूनम खंतवाल को संदीप बिष्ट ने सम्मानित किया। कार्यक्रम में संजीव थपलियाल, अमित बलोदी, नीरज ढौंडियाल, राजीव, धर्मेंद्र बड़थ्वाल, लक्की कोटनाला, अंचल कुमार अग्रवाल मौजूद रहे।

## विद्यार्थियों ने किया शैक्षणिक भ्रमण

**जयन्त प्रतिनिधि।**

पौड़ीः एकेश्वर ब्लाक के 13 स्कूलों के 35 छात्र-छात्राओं ने समग्र शिक्षा के राष्ट्रीय अविष्कार अभियान के तहत देवप्रयाग संगम, राजीव गांधी नवोदय विद्यालय तपोवन देहरादून, वन अनुसंधान संस्थान व विज्ञान केंद्र झांजरा का शैक्षिक भ्रमण किया।

शैक्षिक भ्रमण में राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय ड्यूल्ड, राउप्रावि धरासू, राउप्रावि चौमासूधार, राउप्रावि स्योली, राउप्रावि बड़ेथ, राउप्रावि बस्यूर, राउप्रावि नंदाखाल, राउप्रावि जैतोली, राउप्रावि भैड़गांव, राउप्रावि कबरा, राउप्रावि कयार्द, राउप्रावि खुलेऊ, राउप्रावि तछवाड़ के छात्र -छात्राएं शामिल थे। खंड शिक्षा अधिकारी एकेश्वर डा. गुंजन अमरोही ने बताया कि देवप्रयाग में छात्र-छात्राओं ने संगम स्थल में हिमालयी नदियों की भौगोलिक स्थिति व भागीरथी अलकनंदा नदियों के संगम की विस्तृत जानकारी ली, वन अनुसन्धान संस्थान में पेड़-पौधों की आकारिकी, पारिस्थितकी व संकटग्रस्त वनस्पति प्रजातियों व विज्ञान केंद्र झाझरा देहरादून में नक्षत्र वेधशाला, तारामंडल, मनोविज्ञान चिकित्सा जानकारी के साथ समुद्री जीव जंतुओ से संबंधित त्रिआयामी फ़िल्म देखी।

डॉ अमरोही ने बताया राजीव गांधी नवोदय विद्यालय तपोवन देहरादून में छात्र -छात्राओं ने आवासीय विद्यालय की व्यवस्था, पठन -पाठन की जानकारी प्राप्त की। इस मौके पर मार्गदर्शक शिक्षक कुलदीप सिंह रावत, राकेश कुमार ग्वाड़ी, रेखा आर्य, सरला नौडियाल व संकुल समन्वयक यतेंद्र मोहन धस्माना शामिल थे।

## सुरक्षा दीवार की मांग

नई टिहरी। पट्टी सारज्यूला के ग्राम ज्ञानसू के स्थानीय लोगों ने डीएम मयूर दीक्षित को पत्र लिखकर भैंतोगी खाला मध्य डोबरा मोटर मार्ग के ग्राम महड़ के किमी 5 पर मोड के नीचे सुरक्षा दीवार लगाने की मांग की है। ताकि यहां पर आवासीय भवनों को सुरक्षित किया जा सके। डीएम को पत्र के माध्यम से बताया कि यहां पर आवासीय भवन हैं। यहां से गुजरने वाले वाहनों से कभी भी भवनों को खतरा पहुंच सकता है। बताया कि इस बाबत पूर्व में प्रांतीय खंड लोनिवि को शिकायत दर्ज कर सुरक्षा दीवाल लगवाने की मांग की गई, लेकिन विभाग ने इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया। जिससे यहां पर निवास करने वाले लोग खासे परेशान हैं। यहां पर सुरक्षा दीवाल लगाने का कार्य किया जाय। ज्ञापन देने वालों में खुशीराम, अनिल किशोर, दीपक, गौतम, आशीष आदि शामिल रहे।

# झंडीचौड़ में हाथियों की धमक, बर्बाद की फसल

**जयन्त प्रतिनिधि।**

कोटद्वारः भाबर क्षेत्र के अंतर्गत झंडीचौड़ में हाथियों की धमक थमने का नाम नहीं ले रही। आए दिन हाथी आबादी में पहुंचकर काश्तकारों की फसल को बर्बाद कर रहे हैं। शिकायत के बाद भी वन विभाग समस्या को लेकर लापरवाह बना हुआ है। काश्तकारों ने जल्द समस्या का निराकरण नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है।

पश्चिमी झंडीचौड़ का अधिकांश भाग जंगल से सटा हुआ है। नतीजा, शाम ढलते ही जंगली जानवर आबादी में पहुंच जाते हैं। पार्षद सुखपाल शाह ने बताया कि फसल बर्बाद होने से काश्तकारों को आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है। बीती रात हाथी ने महेंद्र सिंह, भोपाल सिंह, कल्पेश्वरी देवी, त्रिलोक सिंह, शिव सिंह, नरेंद्र सिंह, धर्म सिंह के खेल में घुसकर फसल को नष्ट कर दिया। काश्तकारों ने एकजुट हो पटाखे फोड़ व शोर मचा कर हाथी को जंगल की तरफ खदेड़ा। पार्षद सुखपाल शाह ने बताया कि एक ओर जहां सरकार काश्तकारों को प्रोत्साहित कर रही है। वहीं, वन विभाग अपनी जिम्मेदारी को लेकर लापरवाह बना हुआ है। बताया कि क्षेत्र में हाथी सुरक्षा दीवार निर्माण करवाने के लिए कई बार शासन-प्रशासन को पत्र दे चुके हैं। लेकिन, अब तक इस ओर ध्यान नहीं दिया गया। जंगली जानवरों के डर से काश्तकार खेती छोड़ने को मजबूर हो रहे हैं। काश्तकारों के हित को देखते हुए जल्द उनकी समस्या का निराकरण होना चाहिए।

कोटद्वार के झंडीचौड़ क्षेत्र में हाथियों द्वारा नष्ट की गई फसल

# कार्यकारिणी का विस्तार, संतन बने नगर संयोजक

आयोजित बैठक में भाग लेते सदस्य

**जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः** विश्व हिंदू परिषद बजरंगदल ने कार्यकारणी का विस्तार किया है। जिसमें संतन सिंह को नगर संयोजक की जिम्मेदारी दी गई है। इस दौरान रामनवमी व हनुमान जयंती को धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया।

रविवार को बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में छह अप्रैल को मनाई जानी वाली रामनवमी की तैयारियों को लेकर चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि रामनवमी के साथ ही 12 अप्रैल को हनुमान जयंती भी धूमधाम के साथ मनाई जाएगी। रामनवमी पर भगवान राम की विशेष पूजा की जाएगी। साथ ही विभिन्न कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। वहीं, हनुमान जयंती पर भी मंदिरों को हनुमान चालीसा व सुंदरकांड का पाठ किया जाएगा। इस दौरान संगठन में नए दायित्वों की घोषणा की गई। जिसमे संतन सिंह को बजरंग दल का नगर संयोजक, शक्ति सिंह गुसाईं को नगर संयोजक, गौरव को सह संयोजक व विनोद कुलाश्री को संगठन में दायित्व दिया गया। इस मौके पर प्रांत टोली सदस्य लोकपाल सिंह रावत, जिला संगठन विकास, दीपक गौड़ आदि मौजूद रहे। बैठक का संचालन जिला सहमंत्री सुनील अग्रवाल ने किया गया।

### शराब तस्करी के मामलों में तीन आरोपी गिरफ्तार

नई टिहरी। टिहरी पुलिस ने नशे के खिलाफ अभियान चलाकर लम्बगांव, चंबा व थत्यूड़ में 104 अवैध अंग्रेजी शराब के पव्वों के साथ ही 5 लीटर अवैध कच्ची शराब पकड़कर तीन लोगों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत कार्यवाही की है। पुलिस की मीडीया सेल ने यह जानकारी देते हुए बताया कि एसएसपी आयुष अग्रवाल ने मुख्यमंत्री के उत्तराखंड को नशामुक्त करने के अभियान तहत कार्यवाही सुनिश्चित करवाई है। नशे के खिलाफ अभियान के तहत टिहरी जिले के थाना लम्बगांव पुलिस ने सेमधार बाजार में आरोपी त्रिवेंद्र सिंह पुत्र विशन सिंह निवासी तिनवाल गांव से 52 पव्वे अवैध अंग्रेजी शराब सोलमेट ब्लू के साथ गिरफ्तार कर आबकारी अधिनियम के तहत कार्यवाही की है। कार्यवाही करने वाले पुलिस कर्मियों में एसआई संजीत यादव व नीरज धारीवाल शामिल रहे। जबकि थत्यूड़ पुलिस ने आरोपी माधू पुत्र मिस्सा सिंह निवासी ग्राम किट्ठ को डिग्री कालेज तिराहे के निकट 5 लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया है।

# मूलनिवास के लिए लक्ष्मण कर रहे दंडवत यात्रा

**जयन्त प्रतिनिधि।**

पौड़ीः उत्तराखंड के पर्यावरण की सुरक्षा सहित गाय को राष्ट्र माता घोषित करने, मूल निवास जैसे मुद्दों को लेकर सबधारखाल से केदारनाथ धाम के लिए साष्टांग दंडवत यात्रा की शुरुआत हुई है। क्षेत्र के जाने माने समाजसेवी व जन आंदोलनकारी लक्ष्मण सिंह बुटोला ने क्षेत्र के लोगों की मौजूदगी में इसकी शुरुआत की। करीब 170 किमी की यात्रा लक्ष्मण सिंह भूमि को दंडवत करते हुए ढाई माह में सिर्फ फलाहार लेकर पूरी करेंगे। लक्ष्मण सिंह ने कहा कि भारत के 12 ज्योतिर्लिंगों में शामिल केदारनाथ के प्रति उनकी गहरी आस्था रही है। आज देव भूमि उत्तराखंड में प्रकृति को बचाने के साथ ही स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार सहित मूल निवास जैसे ज्वलंत मुद्दे बने हुए हैं। शनिवार से शुरू की गई यात्रा खोलाचौरी, घुड़दौडी, पौड़ी, बुवाखाल, खिर्सू, खेड़ाखाल होते राजमार्ग स्थित खांकरा पहुंचेगी। जहां से यात्रा रुद्रप्रयाग होते हुए केदारनाथ की ओर बढ़ेगी। 58 वर्षीय लक्ष्मण सिंह इससे पूर्व गोवर्धन गिरिराज की दो बार साष्टांग दंडवत यात्रा, नीलकंठ महादेव की 33 पदयात्रा आदि कर चुके हैं। इस मौके पर पदयात्री अरविंद चंद, तीर्थ पुरोहित लक्ष्मी नारायण ध्यानी, सबल सिंह राणा और प्रवीण नेगी आदि मौजूद रहे।

## एक नजर

### डिम्मर में रामलीला देखने उमड़े लोग

चमोली। डिम्मर गांव में हो रही रामलीला मंचन के षष्ठम दिवस पर रावण ने साधु का वेश धारण कर सीता का हरण किया। रामलीला को देखने के लिए गोपथला, नाकोट, सिमली, राड़खी, मज्याड़ी, कर्णप्रयाग, धारडुंग्री, बांगड़ी सहित आसपास के गांवों से काफी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। सूर्पनखा, खर–दूषण, रावण, मारीच, जटायु, सबरी, राम, लक्ष्मण, सीता के पात्रों के अभिनय में हेमचंद्र डिमरी, अमित, अंशुल, आशुतोष डिमरी, पंकज, रोहन चमोला, गुंजन डिमरी, आयुष, सक्षम, अनिकेत डिमरी की प्रस्तुतियों ने दर्शकों द्वारा खूब सराहा गया। मौके पर रामलीला मंडली के संरक्षक एमपी डिमरी, गोपी डिमरी, विनोद डिमरी, गजेंद्र डिमरी, एसपी खंडूड़ी, गणेश खंडूड़ी, सुरेश डिमरी, कमलेश्वर प्रसाद, प्रणवेंद्र डिमरी सहित आदि स्थानों के श्रद्धालु मौजूद थे। आईसीएसएसआर (भारतीय सामाजिक एवं अनुसंधान परिषद) रिसर्च प्रोग्राम अदिति महाविद्यालय दिल्ली विश्वविद्यालय की निदेशक पुनीता गुप्ता और एसोसिएट प्रोफेसर डा. चंद्रशेखर बढ़ानी एवं रिसर्च सहायक निपुण निशांत ने बताया कि उत्तराखंड में रामलीला मंचन के इतिहास और प्रस्तुतिकरण की समकालीन शैलियों का तुलनात्मक अध्ययन एवं महिला सहभागिता का सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन किया जा रहा है। विगत एक वर्ष से शोध टीम लगभग आठ जनपदों में रामलीला मंचन की प्रस्तुति देख चुकी है। उसी श्रृंखला क्रम में डिम्मर गांव की रामलीला के अवलोकन के लिए कर्णप्रयाग आए हैं।

### वन भूमि में बेदखली के नोटिस के विरोध में धरना

चमोली। थराली, देवाल और नारायणबगड़ विकास खण्डों में वन भूमि में निवासरत लोगों को बेदखली के नोटिस के विरोध में प्रभावितों ने थराली तहसील में एक बार फिर से धरना शुरू कर दिया है। होली अवकाश के कारण बीच मे धरना बंद किया था। प्रभवितों ने प्रदर्शन कर सरकार के खिलाफ की जमकर की नारेबाजी की। बाद में प्रदेश के मुख्यमंत्री को एक ज्ञापन भी प्रेषित किया। सोमवार को कार्यक्रम के अनुसार देवाल एव थराली के वन भूमि से नोटिस प्राप्तकर्ता प्रातः ग्यारह बजे थराली तहसील पर एकत्रित हुए। यहां सरकार एव प्रशासन के विरुद्ध नारेबाजी करते हुए तहसील परिसर में धरने पर बैठ गए। जहाँ प्रदर्शनकारियों ने जमकर नारेबाजी की। बाद में प्रभवितों ने उप जिला अधिकारी थराली के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। जिसमे लम्बे समय से वन भूमि में बसे गरीब भूमिहीन सैकड़ों परिवारों को उसी स्थान पर मालिकाना हक देने की माँग की गई है। इस मौके पर किसान सभा के जिला अध्यक्ष मदन मोहन मिश्रा ने बताया कि आज धरने को पुनः शुरू किया गया है,आज धरने का ग्यारहवां दिन है। इस दौरान प्रद्युम्न सिंह,गोपाल सिंह, इंदर सिंह ,भोपाल सिंह ,दयाल राम, प्रकाश राम, रेखा देवी, गोविंद देवी, विमला देवी, शकुंतला देवी, रेखा देवी, हरुली देवी सहित अन्य लोग मौजूद रहे ।

### खोला और कमांद गांव में एक माह से पेयजलापूर्ति ठप

श्रीनगर गढ़वाल। विकासखंड कीर्तिनगर के खोला और कमांद गांव के ग्रामीण विगत एक माह से भी अधिक समय से पानी की आपूर्ति न होने के कारण परेशान हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि मोटरमार्ग निर्माण कार्य के चलते पेयजल लाइनें क्षतिग्रस्त हुई हैं। ग्रामीणों ने बताया कि इस संदर्भ में कई बार लोक निर्माण विभाग और पेयजल विभाग को शिकायत भी कर चुके हैं, बावजूद कोई कार्यवाही अमल में नहीं लाई गयी है। ग्रामीणों ने कहा कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं किया जाता है तो वह आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

### थराली की सुरक्षा को पिंडर नदी में रिवर ड्रेजिंग का कार्य शुरू

चमोली। चमोली जिला प्रशासन की ओर से थराली नगर की सुरक्षा को देखते हुए पिंडर नदी में रिवर ड्रेजिंग कर नदी को चैनलाइज करने का कार्य शुरू कर दिया है। थराली नगर के प्रभावित क्षेत्र की सुरक्षा को लेकर मुख्यमंत्री के साथ ही गढ़वाल सांसद अनिल बलूनी ने भी थराली में आयोजित दिशा की बैठक के दौरान जिला प्रशासन को इस हेतु शीघ्र कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। बीते वर्ष 2024 में बरसात के दौरान थराली क्षेत्र में बादल फटने से पिंडर नदी में भारी मात्रा में मलबा आ गया था, जिससे नदी का जल स्तर बढ़ने से नगर के सरस्वती विद्या मंदिर, मुख्य बाजार और रामलीला ग्राउंड में नदी का जल स्तर बढ़ने से खतरा पैदा हो गया था। जिसे देखते हुए जिला प्रशासन की ओर से थराली में इस वर्ष बरसात से पहले ही रिवर ड्रेजिंग कर नदी को चैनलाइज करने का कार्य शुरु कर दिया है।

# 23 मार्च को होंगे बौराड़ी व्यापार मंडल के चुनाव

नई टिहरी। व्यापार मंडल बौराड़ी के चुनाव को लेकर रविवार को एक बैठक संपन्न हुई। बैठक में चुनाव कार्यक्रम घोषित किया गया। व्यापार मंडल बौराड़ी का चुनाव 23 मार्च को होना तय किया गया।

चुनाव अध्यक्ष, महामंत्री व कोषाध्यक्ष के पद पर होंगे। चुनाव प्रक्रिया के तहत 17 मार्च को (आज) सुबह 10 से 11 बजे तक नामांकन पत्रों की बिक्री होगी। 11 से 12 बजे के बीच नामांकन जमा होंगे। 12 से 1 बजे के बीचा नामांकन पत्रों की जांच व नाम वापसी होगी। जबकि आगामी 23 मार्च रविवार को सुबह 9 से 2 बजे तक मतदान होगा। तीन बजे से मतगणना कार्य शुरू कर तत्पश्चात चुनाव परिणाम घोषित किये जायेंगे। बौराड़ी मिलन केंद्र में आहूत इस बैठक में चुनाव अधिकारी माया राम थपलियाल, चुनाव पर्यवेक्षक अब्दुल अतीक, चुनाव मणगणना पर्यवेक्षक कुलदीप चौहान, व्यापार मंडल के जिला

महामंत्री कर्म सिंह तोपवाल, महताब गुनसोला, शिवराज सजवाण, देवराज कुमांई, शफीक, हनुमंत महर, संजय उनियाल, दीपेंद्र नेगी, हरीश पोखरियाल, विजय नेगी, लखवीर चौहान, विजय तिवारी, बिरेंद्र सिंह मौजूद रहे।

### प्राइवेट स्कूलों की भूमि भवन और मान्यता मानकों की हो जांच

श्रीनगर गढ़वाल। आरटीई एवं आरटीआई एक्ट कार्यकर्ता कुशलानाथ ने निजी एवं मान्यता प्राप्त प्राइवेट स्कूलों की भूमि भवन एवं मान्यता मानकों की जाँच किये जाने को लेकर शिक्षा मंत्री डॉ धन सिंह रावत द्वारा मुख्यमंत्री धामी से उचित कार्यवाही किये जाने की मांग की है। कुशलानाथ ने सीएम हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज करते हुए कहा कि प्रदेश में अधिकतर स्कूल आरटीई एक्ट 2009 एवं नियमावली 2011 के तहत मानकों को पूर्ण नहीं करते हैं। उन्होंने प्रदेश में प्राइवेट स्कूलों में पीटीए का गठन करने,प्रति कक्षा विद्यार्थियों की संख्या 30 से 35 किये जाने, स्टेशनरी और ड्रेस बेचने पर प्रतिबंध लगाये जाने, स्कूल बसों में महिला कंडक्टर भर्ती और जीपीएस लगाये जाने, खेल मैदान की सुविधा,री एडमिशन पर प्रतिबंध और फीस निर्धारण किये जाने सहित अन्य बिंदुओं पर कार्यवाही की मांग की है।

# नए बोटिंग प्वाइंटों से युवाओं को मिलेगा रोजगार: डीएम

नई टिहरी। रविवार को डीएम मयूर दीक्षित ने डोबरा और कोटी बोटिंग प्वाइंटों का निरीक्षण किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि स्थानीय युवाओं के लिए इन नये बोटिंग प्वाइंटों से और अधिक रोजगार सृजित होंगे। डीएम ने डोबरा से कोटी बोटिंग प्वाइंट के मध्य बोटिंग कर सभी प्रकार की सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा भी लिया।

इस अवसर पर उन्होंने बोटिंग प्वाइंट तक पहुंचने के लिए पैदल रास्ते की सही व्यवस्था, कुशल बोट संचालक रखने, समय–समय पर लाइफ जैकेट की गुणवत्ता चेक करने, बोट की समय–समय पर जांच करने, पेयजल तथा शौचालय आदि की व्यवस्था करने के लिए पर्यटन अधिकारी और टाडा के अधिकारियों को निर्देश दिए। डीएम ने कहा कि मुख्यमंत्री ने अपने कोटी कॉलोनी भ्रमण के दौरान कहा था, कि सरकार की प्राथमिकता है कि अधिक से अधिक नये रोजगार सृजन कर स्थानीय युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराया जायेगा। इसी कड़ी में टिहरी झील में विभिन्न स्थानों जैसे डोबरा, सादणा, नन्दगांव–बड़कोट पर नये बोटिंग प्वाइंटों का निर्माण किया गया है। जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार के अधिक अवसर मिल पाएं। इस दौरान डीएम ने कोटी कॉलोनी की गोल कोठी में स्थित टाडा के कार्यालय का निरीक्षण भी किया। कार्यालय को सुव्यवस्थित ढंग से संचालित करने के निर्देश टाडा के अधिकारियों को दिये। उन्होंने कार्यालय में विधुत व्यवस्था, भवन का रंग रोगन तथा आगन्तुकों के लिए सभी प्रकार की सुविधाओं को दुरुस्त करने सम्बन्धी निर्देश सम्बन्धित कार्मिकों व अधिकारियों को दिये। इस अवसर जिला पर्यटन अधिकारी एसएस राणा, टाडा एवं सम्बन्धित विभागीय अधिकारी–कर्मचारी उपस्थित रहे।

# मढ़ी चौरास–जाखणी पेयजल योजना जल्द होगी पूरी

श्रीनगर गढ़वाल। विकासखंड कीर्तिनगर के चौरास क्षेत्र में पंपिंग पेयजल योजना निर्माण का कार्य लगभग 85 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है। गर्मियों में चौरास क्षेत्र की जनता को पेयजल योजना की सौगात मिलने वाली है। निर्माणदायी संस्था पेयजल निगम देवप्रयाग का दावा है कि अप्रैल माह के अंतिम तक पंपिंग पेयजल योजना का कार्य पूरा कर लिया जायेगा। बताते चलें कि जल जीवन मिशन और राज्य सेक्टर मद से बन रही मढ़ी चौरास–जाखणी पुनर्गठन पंपिंग पेयजल योजना का निर्माण कार्य 37 करोड़ 16 लाख 58 हजार रूपये की लागत से पूरा किया जायेगा। यह प्रदेश की पहली ग्रामीण पेयजल योजना है, जिसमें प्रतिदिन प्रति व्यक्ति पानी की खपत 135 एलपीसीडी रखी गई है। पेयजल योजना से जाखणी, मढ़ी, रानीहाट, नैथाणा, थापली, सुपाणा समेत 14 गांवों की आबादी लाभान्वित होगी।

चौरास क्षेत्र की जनता कई वर्षों से पेयजल व्यवस्था सुचारू न होने से पेयजल किल्लत से जुझ रही है। यह पेयजल योजना चौरास क्षेत्र के लिए वरदान साबित होगी। पेयजल योजना के अंतर्गत अभी तक गौरशाली में वाटर ट्रीटमेंट प्लांट (डब्ल्यूटीपी) का निर्माण कार्य भी 90 प्रतिशत तक पूरा हो गया है, जबकि नैथाणा के पास अलकनंदा नदी में बन रहे इनटैंक वेल का निर्माण कार्य अंतिम चरण पर चल रहा है। इधर, पेयजल निगम देवप्रयाग के सहायक अभियंता प्रदीप पयाल ने बताया कि मढ़ी चौरास–जाखणी पेयजल योजना के अंतर्गत 8 टैंकों का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। नैथाणा में बन रहे इनटैंक वेल का निर्माण कार्य 85 प्रतिशत तक पूरा हो चुका है। इनटैंक वेल के छत पड़ने के बाद स्कैप होल्डिंग का कार्य किया जाना है। बताया कि अप्रैल माह तक पंपिंग पेयजल के निर्माण कार्य पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। मई माह में चौरास क्षेत्र की जनता को पानी उपलब्ध करवा दिया जायेगा। बताया कि वाटर ट्रीटमेंट प्लांट को लेकर पंप, मोटर और ट्रांसफार्मर भी क्रम कर चौरास पहुंच चुके हैं। जल्द ही मैकेनिकल टीम पहुंचकर वाटर ट्रीटमेंट प्लांट में इनस्टॉल कर लिया जायेगा। बताया कि हडिम की धार पेयजल योजना के तहत 6 करोड़ की लागत से मलेथा के पास बनने वाले इनटैंक वेल और वाटर फिल्टर प्लांट का निर्माण कार्य अंतिम चरणों में है।

### अनशनकारियों को समर्थन दिया

चमोली। धामी सरकार के कैबिनेट मंत्री प्रेम चंद अग्रवाल द्वारा विस के बजट सत्र के दौरान पहाड़वासियों पर की गयी कथित टिप्पणी के कारण रामलीला मैदान गैरसैंण में पूर्व सैनिक भुवन कठायत का आमरण अनशन रविवार को छटवें दिन भी जारी रहा, वही कार्तिक उपाध्याय एवं कुसुमलता बौड़ाई का अनशन चौथे दिन भी जारी रहा। इस बीच बड़ी संख्या में कुमांऊ क्षेत्र से आये जनप्रतिनिधियों ने अनशन स्थल पर पहुंच कर अपना समर्थन दिया। पूर्व सैनिक कठायत का कहना है कि सरकार की अनदेखी के कारण उन्होंने अनशन के साथ ही मौन व्रत भी प्रारंभ कर दिया है। वही दूसरी ओर कुसुमलता बौड़ाई भी अनशन एवं मौन व्रत धारण किये हुये है। वही तीसरे आंदोलनकारी कार्तिक उपाध्याय का कहना है कि आंदोलन जारी रहेगा।

# माईथान में अग्रवाल और खंडूड़ी के खिलाफ प्रर्दशन

चमोली। खंसर घाटी के केंद्र स्थल माईथान में कांग्रेसियों ने रविवार को मंत्री प्रेम चंद्र अग्रवाल और विस अध्यक्ष ऋतु भूषण खंडूड़ी के विरोध में प्रर्दशन किया। कांग्रेसी कैबिनेट मंत्री द्वारा विधान सभा में पहाड़ी समाज को कथित तौर पर अपशब्द कहने व विस अध्यक्ष ऋतु भूषण खंडूड़ी द्वारा अग्रवाल पर कोई भी कार्यवाही न किये जाने से गुस्से में थे।

ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष दान सिंह नेगी ने कहा कि जब तक मंत्री अग्रवाल एवं विसअ खंडूड़ी के खिलाफ भाजपा कार्यवाही नही करती है उनका आंदोलन जारी रहेगा। इस अवसर पर एक दर्जन से अधिक लोगों ने कांग्रेस की सदस्यता भी ग्रहण की। प्रर्दशन के दौरान नपंअ मोहन

भंडारी, कार्यकारी अध्यक्ष हरेन्द्र कंडारी, पूर्व अध्यक्ष केएस बिष्ट, विरेन्द्र नेगी,राकेश उप्रेती आदि कई कांग्रेस कार्यकर्ता थे।

# केदारनाथ में गैर–हिंदुओं के प्रवेश पर प्रतिबंधित संबंधी भाजपा विधायक के बयान पर सियासी हंगामा

देहरादून। उत्तराखंड की भाजपा विधायक आशा नौटियाल के केदारनाथ मंदिर में गैर–हिंदुओं के प्रवेश को प्रतिबंधित करने संबंधी बयान पर सियासी हंगामा खड़ा होता नजर आ रहा है। केदारनाथ विधायक आशा नौटियाल ने आरोप लगाया कि कुछ गैर–हिंदू इस धार्मिक स्थल की पवित्रता को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं। अब इस पर कांग्रेस का बयान सामने आया है। कांग्रेस नेता और उत्तराखंड के पूर्व सीएम हरीश रावत ने कहा कि भाजपा नेताओं को सनसनीखेज बयान देने की आदत हो गई है। भाजपा विधायक आशा नौटियाल ने कहा कि कुछ गैर–हिंदू तत्व केदारनाथ धाम की पवित्रता को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि जब उनसे पूछा गया कि क्या कुछ लोग इलाके में मांस, मछली और शराब परोस रहे हैं, तो उनका कहना था कि इसका खुलासा तो जांच के बाद ही होगा।

भाजपा विधायक आशा नौटियाल ने आगे कहा कि यदि कुछ लोगों की वजह से केदारनाथ धाम की छवि खराब होती है तो उनके प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया जाना चाहिए। ऐसे लोग निश्चित रूप से गैर–हिंदू हैं। ये लोग बाहर से आते हैं और धाम को बदनाम करने की गतिविधियों में शामिल होते हैं।

भाजपा विधायक आशा नौटियाल यहीं नहीं रुकीं। उन्होंने बताया कि इस मामले पर हाल ही में प्रभारी मंत्री सौरभ बहुगुणा ने स्थानीय अधिकारियों और लोगों के साथ बैठक की थी। बैठक में कुछ प्रतिभागियों का कहना था कि कुछ गैर–हिंदू लोग केदारनाथ धाम की प्रतिष्ठा धूमिल करने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसा करने वालों की पहचान की जानी चाहिए और उनको धाम में दाखिल होने से रोका जाना चाहिए। भाजपा विधायक नौटियाल के बयान पर सूबे की सियासत गर्म है। कांग्रेस नेता हरीश सिंह रावत ने कहा कि सनसनीखेज बयान देना भाजपा नेताओं की आदत है। उत्तराखंड देवभूमि है। आप कब तक हर चीज को धर्म से जोड़ेंगे? भाजपा के लोग ऐसा इसलिए कर रहे हैं ऐसे वक्त में सामने आया है जब चार धाम यात्रा 30 अप्रैल से शुरू होने वाली है। इसी दिन अक्षय तृतीया के अवसर पर केदारनाथ धाम के कपाट 2 मई और बद्रीनाथ धाम के कपाट 4 मई को खोले जाएंगे।

### पीएनबी के स्केल अधिकारियों की नई स्थानांतरण नीति का विरोध

देहरादून। पंजाब नेशनल बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन देहरादून इकाई ने स्केल अधिकारियों (1,2,3) के लिए नई स्थानांतरण नीति का विरोध किया है। एसोसिएशन के पदाधिकारी इस बाबत रविवार को राज्यसभा सांसद नरेश बंसल से उनके दून स्थित आवास पर मिले। वक्ताओं ने कहा कि हाल ही में पंजाब नेशनल बैंक में स्केल अधिकारियों के नए स्थानांतरण नीति की गाइड लाइन जारी की गई हैं। ऑल इंडिया पंजाब नेशनल बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन के आह्वान पर इसे लेकर देशभर में प्रदर्शन हो रहा है। उन्होंने कहा कि 28 और 29 मार्च को राष्ट्रव्यापी हड़ताल की घोषणा की जा चुकी है। एसोसिएशन इस संशोधित स्थानांतरण नीति को लागू नहीं होने देगा। बंसल ने एसोसिएशन के पदाधिकारियों को आश्वासन दिया कि इस मुद्दे वो उनकी पूरी मदद करेंगे।

### माता पिता परिवार को हर अवरोध से बचाकर रखते हैं

देहरादून। विश्व जागृति मिशन के अपर तुनवाला स्थित आनंद देव लोक आश्रम में आचार्य महेश शर्मा के सानिध्य में हवन एवम सत्संग का आयोजन किया गया ' संत सुधांशु महाराज ने कहा कि माता–पिता सभी छतरी परिवार को हर अवरोध से बचा कर रखती है। इसलिए माता पिता को भगवान की संज्ञा दी जाती है ' उन्होंने कहा माता पिता की सेवा से ही परमात्मा की कृपा प्राप्त होती है। सुधांशु महाराज ने कहा बारात में आगे बैंड वाले और बराती चलते हैं और पीछे घोड़ी पर दुल्हा चलता है। जो संदेश देता है कि बैंड की तरह हर किस्म की आवाज वालों को साथ लेकर चलने पर घर में उत्सव वाला माहौल होगा। बड़ों की पगड़ी का मान रखकर उनकी राय लेकर चलेंगे तो परिवार सुखी रहेगा। मौके पर मिशन के प्रधान सुधीर शर्मा, सरदारी लाल भल्ला, सुदर्शन भल्ला, महामंत्री प्रेम भाटिया, प्रचार मंत्री भूपेंद्र चड्ढा, विजय खत्री, सुरेंद्र बागला, कमलेश वर्मा, सुरेश वर्मा, राजेंद्र सिंह सोलंकी, रोशन लाल आदि मौजूद रहे।

# त्योहारों, धार्मिक यात्राओं के नाम पर नफरत फैला रही भाजपा: कांग्रेस

देहरादून। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने आरोप लगाया कि भाजपा देशभर में त्योहारों और धार्मिक यात्राओं के नाम पर नफरत फैलाने का राष्ट्रीय एजेंडा चला रही है। अब उत्तराखंड की चारधाम यात्रा के बहाने मुस्लिम समाज को निशाना बनाकर सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि केदारनाथ से भाजपा विधायक का जो अल्पसंख्यकों को लेकर जो बयान सामने आया है, वह बेहद आपत्तिजनक है।

रविवार को अपने कैंप कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत करते हुए धस्माना ने कहा कि हाल ही में संपन्न प्रयागराज का महाकुंभ मेला हो या दो दिन पूर्व संपन्न हुई होली और जुमे की नमाज, भाजपा ने सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की भरसक कोशिश की, लेकिन देश की जनता ने भाजपा के मंसूबों को समझते हुए इस नाकाम कर दिया। उन्होंने कहा कि केदारनाथ की विधायक आशा नौटियाल का बयान भी भाजपा के राष्ट्रीय एजेंडे का एक हिस्सा है। जिससे वह जनता का ध्यान आसमान छूती महंगाई, बेरोजगारी, महिलाओं के प्रति बढ़ते अपराधों में भाजपा नेताओं की संलिप्तता जैसे मुद्दों से हटा सके। धस्माना ने कहा कि केदारनाथ विधायक तो मात्र एक छोटा सा मोहरा हैं, अभी भाजपा के और बड़े दिग्गज इसमें कूदेंगे और अगले आठ महीनों तक चारधाम यात्रा के पूरे सीजन में इस एजेंडे को चलाएंगे।

# समस्याओं का समाधान नहीं होने पर किसानो ने जताई नाराजगी

विकासनगर। भारतीय किसान संघ का स्थापना दिवस रविवार को रुद्रपुर शिव मंदिर परिसर में मनाया गया। इस दौरान आयोजित गोष्ठी में किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं होने पर सरकार के प्रति नाराजगी जताई गई। इसके साथ ही बुजुर्ग किसानों को सम्मानित किया गया। गोष्ठी को संबोधित करते हुए भारतीय किसान संघ के प्रदेश कोषाध्यक्ष नरेश नौटियाल ने कहा कि बीते लंबे समय से पछुवादून क्षेत्र में बिजली के बिलों में अनियमितता के मामले सामने आ रहे हैं। यूपीसीएल की ओर कई तरह के चार्ज जोड़ कर किसानों को अधिक राशि के बिल भेजे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बिजली बिलों में अनियमितता दूर करने के लिए गांवों में कैंप लगाए जाने चाहिए। कहा कि हथियारी जल विद्युत परियोजना निर्माण के दौरान क्षेत्र की कई सिंचाई गूलें क्षतिग्रस्त हो गई थी। परियोजना निर्माण पूरा हुए तीन साल से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन क्षतिग्रस्त सिंचाई गूलों की मरम्मत नहीं की गई, जिससे किसानों को सिंचाई के लिए पानी नहीं मिल रहा है। कई बार जन प्रतिनिधियों से भी इसकी गुहार लगाई जा चुकी है लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हो रही है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में वन अधिनियम की आड़ में सड़क निर्माण कार्य पूरे नहीं हो रहे हैं, जिसका खामियाजा वहां की जनता को भुगतना पड़ रहा है।

### रेस्टोरेंट में आग लगाने मामले में लापरवाही पर विकासनगर कोतवाल को हटाया

देहरादून। विकासनगर क्षेत्र में रेस्टोरेंट में आग लगाने के मामले में पुलिस कार्रवाई में भारी चूक हुई। मामले में एसएसपी अजय सिंह ने विकासनगर कोतवाल राजेश साह को चार्ज से हटाकर एसएसपी कार्यालय में अटैच कर दिया।

मामले की जांच एसपी विकासनगर को सौंपी गई है। बीते 14 मार्च को होली पर्व के जश्न के दौरान विकासनगर क्षेत्र के बादामवाला स्थित रेस्टोरेंट में विवाद हुआ। यहां रेस्टोरेंट में बैठने के लिए फूस के केबिन बनाए गए। खानपान के बाद संचालक से हुए विवाद में कुछ लोगों रेस्टोरेंट में फूस के केबिनों को जला दिया।

# श्रीराम तपस्थली आश्रम ब्रह्मपुरी पहुंचे सोनू निगम , गंगा किनारे की मौन साधना

ऋषिकेश। प्रख्यात गायक सोनू निगम रविवार को प्राचीन श्रीराम तपस्थली आश्रम ब्रह्मपुरी पहुंचे। वहां उन्होंने आध्यात्मिक शांति के लिए मौन साधना की। श्रीराम तपस्थली आश्रम ब्रह्मपुरी में पहुंचे गायक सोनू निगम ने संतों से आशीर्वाद लिया। सोनू निगम ने बताया कि मेरा जीवन धन्य हो गया, मुझे मां गंगा ने बुलाया और मेरे पूर्व जन्म के संस्कार मुझे श्रीराम तपस्थली आश्रम में पहुंचकर संतों के दिव्य दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त हुआ। उन्होंने जगतगुरु द्वाराचार्य स्वामी दयारामदास का आशीर्वाद प्राप्त किया। सोनू निगम ने आश्रम में गंगा किनारे मौन साधना की। उन्होंने कहा कि माना जाता है कि इसी जगह पर भगवान श्रीराम ने 12 साल मौन तपस्या की थी। इसलिए मैंने भी यहां कुछ देर तक आध्यात्मिक शांति के लिए मौन साधना की। इस दौरान संतों ने सोनू निगम को पुष्पहार उत्तरीय, तुलसी की माला, गोमुख का पवित्र जल भेंट किया।

# पांच साल में इंडोर वार्ड में नहीं बढ़ी बेडों की संख्या

विकासनगर। विकासनगर अस्पताल को पांच साल पहले उप जिला चिकित्सालय में उच्चीकृत किया गया था, लेकिन आज तक अस्पताल में सुविधाएं और संसाधन को नहीं बढ़ाया गया है। जब अस्पताल उच्चीकृत हुआ था तब लोगों को उम्मीद थी कि अब अस्पताल में बेहतर उपचार मिलेगा। लेकिन हकीकत इससे कोसों दूर है। अस्पताल के उच्चीकृत होने के बाद एक भी बेड नहीं बढ़ाया गया है। आज भी अस्पताल के इंडोर वार्ड में मात्र तीस बेड की ही सुविधा है। जबकि उप जिला चिकित्सालय के लिए पचास बेड स्वीकृत हुए हैं।

बेडों की संख्या नहीं बढ़ाए जाने से मरीजों को परेशानी उठानी पड़ रही है। विकासनगर स्थित सरकारी अस्पताल पछुवादून और जौनसार बावर के साथ ही टिहरी के जौनपुर, थत्यूड़ ब्लॉक,

उत्तरकाशी के नौगांव, पुरोला, मोरी ब्लॉक, हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिले और उत्तर प्रदेश की बेहट तहसील के सीमांत गांवों का सबसे बड़ा स्वास्थ्य केंद्र है। यहां हर दिन छह सौ से अधिक की ओपीडी संचालित होती है। अस्पताल पर मरीजों के बढ़ते दबाव को देखते हुए पांच साल पहले इस अस्पताल को उप जिला चिकित्सालय में तब्दील किया गया था, लेकिन उच्चीकृत होने बाद भी अस्पताल की दशा में कोई सुधार नहीं हुआ है। पैरा मेडिकल कर्मियों ने बताया कि भीषण गर्मी के मौसम में मरीजों की संख्या बढ़ जाती है। लेकिन बेड की कमी के कारण डायरिया के मरीजों को ग्लूकोज चढ़ाकर वापस भेजना पड़ता है। गंभीर मरीजों को हायर सेंटर के लिए रेफर करना भी मजबूरी बन गई है।

### आदूवाला और जुडली में पेयजल किल्लत को लेकर लोगों का प्रदर्शन

विकासनगर। बल्लूपुर–पांवटा राष्ट्रीय राजमार्ग पर निर्माण कार्य के दौरान पेयजल लाइन क्षतिग्रस्त होने से आदूवाला, जुडली में एक सप्ताह से पेयजल किल्लत बनी हुई है। प्रभावित ग्रामीणों ने बताया कि संबंधित विभाग के अधिकारियों को कई बार शिकायत की गई, लेकिन विभाग ने आज तक समस्या का समाधान नही किया। कहा कि संबंधित अधिकारियों की लापरवाही का खामियाजा ग्रामीणों और उनके बेजुबान पशुओं को भुगतना पड़ रहा है। पेयजल किल्लत से जूझ रहे ग्रामीणों ने प्रदर्शन कर जल्द पीने का पानी मुहैया कराने की मांग की है। इन दिनों बल्लूपुर–पांवटा राष्ट्रीय राजमार्ग का कार्य चल रहा है। सड़क निर्माण कार्य के दौरान अक्सर पेयजल लाइन और किसानों के खेतों को सिंचाई का पानी मुहैया कराने वाली नहरें क्षतिग्रस्त हो जाती हैं। इस बार एक सप्ताह पहले आदूवाला, जुडली गांव में पेयजल आपूर्ति करने वाली पेयजल लाइन क्षतिग्रस्त हो गई थी। पेयजल लाइन क्षतिग्रस्त होने से एक हजार की आबादी पीने के पानी के लिए तरस रही है। प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों ने बताया कि एक सप्ताह से घरों में लगे नल सूखे हुए हैं।

# हनोल मास्टर प्लान में पीपल पार्क को शामिल किया जाए

विकासनगर। चकराता वन प्रभाग अन्तर्गत मोलटा रेंज के चातरा वीट में बना पीपल पार्क विभागीय उपेक्षा के कारण वीरान पड़ा हुआ है। मंदिर समिति हनोल ने पीपल पार्क को मास्टर प्लान में शामिल करने की मांग जिलाधिकारी से की गई है।

जिलाधिकारी को भेजे ज्ञापन में महासू देवता मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि हनोल के समीप चातरा वीट कुपड़खड्ड के पास चकराता वन प्रभाग ने वर्ष 2013–14 में ईको टूरिज्म को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पार्क निर्माण करवाया था। विभागीय अधिकारियों की सोच थी कि महासू देवता मंदिर हनोल आने वाले श्रद्धालुओं, पर्यटकों को पार्क में टहलने, बैठने की सुविधाएं दी जाएंगी। जिससे धार्मिक पर्यटन के साथ ही नैसर्गिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। लेकिन दस साल बाद भी विभागीय अधिकारियों की सोच परवान नहीं चढ़ पाई। उपेक्षा के कारण पार्क में चारों ओर झाड़ियां उगी हुई हैं। बीती 23 फरवरी को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने महासू देवता हनोल में रात्रि प्रवास के दौरान जिला अधिकारी और पर्यटन अधिकारी को हनोल मास्टर प्लान का विस्तार करने के निर्देश देते हुए कहा था कि आसपास जितना भी हो सके पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाए। इसी क्रम में मंदिर समिति ने जिला अधिकारी को ज्ञापन भेजकर चकराता वन प्रभाग के आरक्षित वन क्षेत्र कुपड़खड़ के पास पीपल पार्क को वृहद स्तर पर पर्यटन गतिविधियों के लिए विकसित करने की मांग की है।

जयन्त
संस्थापक
नरेन्द्र उनियाल
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक और
सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
द्वारा जयन्त प्रकाशन डिग्री कॉलेज रोड़, जौनपुर कोटद्वार गढ़वाल
(उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा
जयन्त कार्यालय
चन्द्रसिंह गढ़वाली मार्ग,
गैरसैंण, जनपद चमोली
उत्तराखण्ड से प्रकाशित
RNI No.UTTHIN/2005/16338